www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 127 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
28 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:28
सूर्यास्त: 06:57
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार | जब जंतर-मंतर पर जेन जी ... >>पेज 04 | पत्नी से परेशान पति फंदे पर ... >>पेज 06 | शादी के सवाल पर भड़कीं ...

सीजेपी की दोबारा आंदोलन की चेतावनी, बोली-सरकार ने समझौता तोड़ा

सरकार की वादाखिलाफी

देशभर में सैकड़ों छात्र अरेस्ट, झूठे मुकदमे किए, सिब्बल बोले- कानूनी मदद करुंगा

उल्लंघन

"हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वे हमें दिए गए आश्वासन का सम्मान करें। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को तुरंत रिहा कराया जाए और देश में कहीं भी किसी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई न हो।"

- सौरव दास
सीजेपी प्रवक्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने सोमवार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी और गिरफ्तार छात्रों को राहत नहीं मिली, तो वह फिर से आंदोलन शुरू करेगी।

पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि सरकार ने समझौता तोड़ा है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर झूठे मुकदमों में फंसाया गया है।

दिल्ली में हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में CJP नेता आशुतोष रांका, सौरव दास के साथ एडवोकेट कपिल सिब्बल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा- मेरा रोल इस पार्टी के कानूनी मसलों में मदद करना है।

CJP ने कहा कि हमने एक पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके जरिए पीड़ित छात्र अपनी परेशानी शेयर कर सकते हैं। वे केस इन्फॉर्मेशन और वीडियो भी शेयर कर सकते हैं।

सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीजेपी बोली- देश के अन्य राज्यों में छात्रों को गिरफ्तार किया जा रहा है

इससे पहले दिन में CJP प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को X पर लिखा था कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पार्टी का कहना है कि उसने देशव्यापी आंदोलन केंद्र सरकार के इस आश्वासन पर स्थगित किया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। CJP ने चेतावनी दी कि यदि सरकार अपने वादे से पीछे हटती है, तो यह लाखों युवाओं के विश्वास के साथ धोखा होगा।

वांगचुक बोले- अहिंसा के रास्ते चले, समाधान जरूर मिलता है

वांगचुक ने कहा- पिछले पांच-छह सालों से हम लद्दाख में गांधीजी के अहिंसक तरीके को अपनाते आ रहे हैं और हमें यह बहुत प्रभावी लगा। हालांकि मुझे संदेह था कि क्या यह तरीका राष्ट्रीय स्तर पर भी काम करेगा। लेकिन इस आंदोलन ने मेरा भरोसा और मजबूत किया कि गांधीजी का रास्ता आज भी पूरे देश में उतना ही असरदार है और आने वाले कई सालों तक रहेगा।

सूत्रों के मुताबिक, 20 जुलाई के प्रदर्शन और उससे जुड़े घटनाक्रम में करीब 20 केस दर्ज किए गए थे. इनमें 14 एफआईआर प्रदर्शन और हिंसा से जुड़ी हैं, जबकि एक मामला बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने का है. बाकी मामलों की भी जांच जारी है.

पत्रकारों से मारपीट वाले केस वापस नहीं होंगे

सूत्रों ने यह भी साफ किया कि प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों के साथ कथित मारपीट और हमले से जुड़े मामलों को वापस लेने का कोई प्रस्ताव नहीं है. इन मामलों में कानूनी कार्रवाई पहले की तरह जारी रहेगी।

सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। इसके बाद वे लद्दाख रवाना होंगे। उससे पहले वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट गए। वांगचुक ने शुक्रवार देर रात अपना 26 दिन का अनशन खत्म किया था।

पेपर लीक के खिलाफ
आंदोलन के 4 चेहरे

अभिजीत दीपके
CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) के संस्थापक।
बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस की पढ़ाई की।
सोशल मीडिया पर सटायर के रूप में CJP की शुरुआत की।
जो बाद में देशव्यापी छात्र आंदोलन बन गया।

आशुतोष रांका
IIT कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र।
सरकार से बातचीत में सक्रिय भूमिका निभाई।
शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भी सरकार से लिखित आश्वासन की मांग की।

सौरव दास
पेशे से खोजी पत्रकार रहे हैं। CJP के चीफ स्पोक्सपर्सन।
हिंसा, पुलिस चोटें और आंदोलन में फैली अफवाहों का जवाब दिया।
प्रदर्शन की तारीख, मांगें, सरकार से बातचीत।

सोनम वांगचुक
शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक इस आंदोलन के 'नैतिक कमांडर' बने।
6 जून से पहले भीड़ बंटी थी। वांगचुक के आने से एकजुट हुए।
28 जून से उनका अनशन आंदोलन का स्थायी मंच बना। वांगचुक की भूख हड़ताल से सरकार पर दबाव बना।

महाराष्ट्र में नीट छात्रा का सुसाइड

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। NEET एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है।

पेपरलीक बिल पर चर्चा करने को विपक्ष तैयार, वोटिंग होगी

लोकसभा स्पीकर बिरला ने नेताओं को मनाया

सहमति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' को लेकर संसद में हंगामा खत्म होने की उम्मीद है। न्यूज एजेंसी PTI की मुताबिक विपक्ष मंगलवार को इस पर चर्चा शुरू करने के लिए सहमत हो गया है। स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की। जिसके बाद सरकार और विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है।

इससे पहले सोमवार को लोक

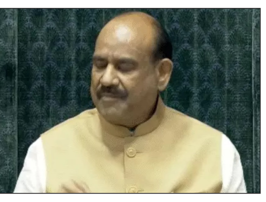

आज हंगामे के कारण 4 बार स्थगित हुई संसद

परीक्षा संशोधन बिल पेश किया गया। हालांकि विपक्ष के हंगामे की वजह से चर्चा नहीं हो सकी। विपक्ष छात्रों पर NEET पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के मामले पर बहस के लिए अड़ा रहा। कांग्रेस का कहना है कि इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बयान दें। इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

27 हजार से अधिक मतदाताओं के नामों में गड़बड़ी का आरोप

अनूपशहर विधानसभा सीट की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर त्रुटियों का दावा

मांग

- **नाम, सरनेम और रिश्तेदारों के विवरण में बदलाव का आरोप, नए वोटर आईडी जारी करने की मांग**
- **सपा ने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने बुलंदशहर जिले की 67-

अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी ने दावा किया है कि विधानसभा क्षेत्र के 27 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम, सरनेम और उनके रिश्तेदारों के नाम में गंभीर त्रुटियां सामने आई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कई उदाहरणों का किया उल्लेख

ज्ञापन में कई मतदान केंद्रों के उदाहरण भी दिए गए हैं। इनमें कहीं मतदाता के नाम से देवी हटाने और रिश्तेदार के नाम के साथ ₹सिंह₹ जोड़ने का मामला बताया गया है, तो कहीं रिश्तेदार के नाम में मलिक जैसे अतिरिक्त सरनेम जोड़ने की बात कही गई है। पार्टी का कहना है कि नामों में बदलाव होने के बावजूद संबंधित ईपिक नंबरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

फास्ट न्यूज

बिहार में एके-47 से फायरिंग करनेवाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

सीवान । छात्रों पर लाठीचार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर 25 जुलाई को बिहार बंद बुलाया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में जमकर हंगामा और बवाल हुआ।

11 जिलों से पथराव और लाठीचार्ज की खबर आई।

बयान | तंज

धर्मेंद्र प्रधान बोले- स्ट्रीट फाइटर हूं

नई दिल्ली। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही भाजपा और NDA सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, ₹मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं।

प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी की विक्ट्री पार्टी

नई दिल्ली। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की विक्ट्री पार्टी के कई वीडियो सामने आए हैं। दावा किया जा रहा है कि एक होटल में CJP प्रवक्ता सौरव दास, आशुतोष रांका और अन्य छात्र इकठ्ठा हुए। उन्होंने जमकर डांस किया।

प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं : एससी

आंदोलन एक सवैधानिक अधिकार, प्रोटोकॉल तय हो

चिंता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस मोहना की बेंच ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना चिंता की बात है, सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है।

इधर, सोमवार को राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने भी सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर याचिका लगाई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिस-रैपिड एक्शन फोर्स ने लाठीचार्ज किया,आंसू गैस के गोले छोड़े, पथराव भी हुआ।

सुप्रीम कोर्ट बोला- राममंदिर चढ़ावा चोरी की 2 हफ्ते में जांच रिपोर्ट दो कहा- सुधार के लिए कदम उठाने होंगे

'एसआईटी में सीए भी शामिल करो'

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया- नई SIT बना दी गई है। IG किरण एस इसे लीड कर रहे हैं। टीम में एक डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (DIG), एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) और एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) भी शामिल हैं।

दोपहर करीब 3:30 बजे सुनवाई के दौरान CJI ने कहा- हम इस जांच को बंद नहीं कर रहे हैं। चोरी के इस मामले में और भी सुधार के कदम उठाने होंगे। SIT में फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करिए। ऑडिटर वित्तीय अपराधों का पता लगाने के लिए खातों और रिकॉर्ड्स की जांच करेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहले विजय विश्वास पंत की एसआईटी ने जांच की थी

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित SIT की अध्यक्षता लखनऊ मंडल के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे थे, जिसमें आईजी लखनऊ रेंज बतौर सदस्य शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा-निर्देशों के बाद अब नई SIT बनाकर IG लखनऊ रेंज किरण एस को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, अयोध्या के DIG सोमेन वर्मा और अयोध्या के SSP गौरव ग्रोवर को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है।

एडवोकेट की सलाह- वेबसाइट पर मिले दान का विवरण

सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने कहा- लाखों श्रद्धालु 500, 1000 या अन्य छोटी-बड़ी राशि श्रद्धा से दान करते हैं। यदि वह धन ट्रस्ट तक नहीं पहुंच रहा है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रस्ट को प्राप्त होने वाले दान का विवरण सार्वजनिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि दानदाता यह देख सकें कि उनकी राशि सुरक्षित रूप से ट्रस्ट तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि यह किसी पक्ष के खिलाफ लड़ाई नहीं, बल्कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास है।

"चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल से पूछा- क्या चोरी की जांच कर रही एसआईटी की इस नई टीम को हर चीज का एक्सेस होगा? इसपर तुषार मेहता ने हामी भरी।

मंजूरी : ट्रायल के लिए 200 करोड़ नोट छपेंगे, कागज के नोट भी चलेंगे, तारीख का ऐलान अभी नहीं

देश में जल्द चलेंगे 10 20 के प्लास्टिक-नोट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बाजार में जल्द ही 10 और 20 के प्लास्टिक नोट नजर आएंगे। रिजर्व बैंक 100-100 करोड़ यानी टोटल 200 करोड़ पॉलिमर यानी प्लास्टिक से बने नोट छापेगी। यह प्लास्टिक करेंसी का ट्रायल होगा, अगर यह सफल होता है तो आगे और नोट भी छापे जाएंगे।

केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में दी। हालांकि, पॉलिमर नोटों का ट्रायल कब शुरू होगा, इसकी तारीख का ऐलान अभी नहीं किया गया है।

पॉलिमर बैंकनोट के ट्रायल सफल होने के बाद RBI 10 और 20 दोनों वैल्यू के नोटों को रेगुलर तौर पर जारी करेगा। हालांकि कागज की मौजूदा करेंसी भी चलती रहेगी। इसे बंद नहीं किया जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

"10 दिन पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि आरबीआई जल्द ही देश में पॉलीमर से बने नोटों का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। यह देश में नए जनरेशन की करेंसी लाने के आरबीआई के प्लान का अगला कदम है।"

पॉलिमर नोट क्या होते हैं और सरकार इन्हें क्यों ला रही?

पॉलिमर बैंकनोट्स कागज के बजाय एक खास किस्म के प्लास्टिक मटेरियल यानी पॉलीमर सबस्ट्रेट पर छापे जाते हैं। ये छूने में तो सामान्य नोटों जैसे ही हल्के होते हैं, लेकिन पानी में भीगने पर भी नहीं गलते और लंबे समय तक चलते हैं।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में पांचवां मेडल

ज्ञानेश्वरी ने 199 केजी वजन उठाकर सिल्वर जीता

गौरवान्वित

तमसा संकेत, एजेंसी

ग्लासगो । भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पांचवां मेडल जीत लिया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने महिला 53 kg वेटलिफ्टिंग इवेंट में कुल 199 किलोग्राम (88 kg स्नैच + 111 kg क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वेटलिफ्टिंग में भारत का यह चौथा और कुल मिलाकर पांचवां मेडल हो गया।

नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला डिडीह ने 206 किलोग्राम (93+113) वजन उठाकर गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता। 23 साल की ज्ञानेश्वरी ने स्नैच में 88 kg उठाकर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने पहले 103, फिर 107 और आखिरी प्रयास में 111 kg उठाया। कुल 199 kg के साथ उन्होंने सिल्वर पक्का किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

ज्ञानेश्वरी के पिता बॉडीबिल्डर, आर्थिक तंगी में छोड़ना पड़ा खेल

यूपी में सरकारी प्राइमरी स्कूल सरयू नदी में समाया, नहर टूटी, फसलें डूबीं, 75 में अलर्ट

राजधानी समेत 10 शहरों में बारिश

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसून एक बार रफ्तार पकड़ने लगा है। सोमवार को गोरखपुर, बाराबंकी और अयोध्या समेत 40 से ज्यादा शहरों में बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप निकली। दोपहर होते-होते लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, सहारनपुर और गाजियाबाद समेत 10 शहरों में बारिश हुई। कानपुर में सीवर ओवरफ्लो हो गया।

मौसम विभाग (IMD) ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखीमपुर और बहराइच में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। लोगों को जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है। उधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश की वजह से यूपी में नदियां उफान पर हैं। बलिया में सोमवार सुबह 7 बजे सरकारी प्राइमरी स्कूल सरयू नदी में समा गया। सिर्फ 3 सेकंड में पूरा भवन नदी के बहाव में ढह गया। रविवार को इसी स्कूल का आधा हिस्सा नदी में गिर गया था।

वहीं, बलिया के ही दोहरीघाट इलाके में नहर का तटबंध टूटने से सैकड़ों एकड़ धान की फसल पानी में डूब गई। इससे पहले, रविवार को उन्नाव में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे की सड़क धंस गई। सूचना मिलते ही NHAI की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसे दुरुस्त करा दिया। इसके अलावा, खराब मौसम के कारण काठमांडू जा रही एक इंटरनेशनल फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-मानसूनी रेखा एक बार फिर से यूपी की तरफ बढ़ रही है। साथ ही बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र भी और मजबूत हो रहा है। इस वजह से पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में बढ़िया बारिश के आसार बन रहे हैं। 30 जुलाई तक यूपी के कई जिलों में हल्की से मध्यम तो कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

बलिया में सोमवार सुबह सरकारी स्कूल नदी के तेज बहाव में समा गया।

लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर सड़क धंसी

उन्नाव में लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड नेशनल एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा लोकार्पण के महज 12 दिन बाद ही धंसने का मामला सामने आया है। उन्नाव जिले के कोरारी क्षेत्र में कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर लगातार बारिश के बीच सड़क का हिस्सा धंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। निर्माण एजेंसी की टीम के मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत करने वीडियो भी सामने आया है। घटना उन्नाव के कोरारी क्षेत्र में किलोमीटर-64 के पास हुई।

बलिया के सुपापाली में दोहरीघाट नहर टूटी, फसलें डूबीं

बलिया के बेल्थरारोड क्षेत्र में सुपापाली गांव के पास दोहरीघाट नहर परियोजना का तटबंध टूट गया। इससे सैकड़ों एकड़ धान की फसल पानी में डूब गई। किसानों का कहना है कि नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से अचानक नहर में ज्यादा पानी आने लगा। देखते ही देखते नहर ओवरफ्लो हो गई। दबाव बढ़ने से तटबंध टूट गया। नहर का पानी तेजी से आसपास के खेतों में फैल गया।

> अयोध्या में सोमवार को लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल नजर आए। हालांकि, आसमान में बादल छाए हुए हैं। दिन में हल्की बारिश का अलर्ट है। वहीं, सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। नदी डेंजर लेवल 92.73 मीटर से 54 सेमी नीचे बह रही है।

भाजपा कार्यशाला में 'समरसता संकल्प अभियान' की घोषणा

गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर चलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरु रविदास की 650वीं जयंती को 'समरसता संकल्प अभियान' के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह घोषणा सोमवार दो बजे करीब को जिला कार्यालय में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान की गई।

जिलाध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला की शुरुआत दोपहर दो बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर की गई। जिलाध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संत गुरु रविदास महाराज ने समाज को समानता, सामाजिक समरसता, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया था। पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार, उनकी 650वीं जयंती को 'समरसता संकल्प अभियान' के रूप में मनाया जाएगा। यह अभियान 29 जुलाई 2026 से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 तक चलेगा और इसकी शुरुआत काशी स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से होगी। पूर्व विधायक धीरेंद्र ओझा ने संत रविदास के जीवन को सामाजिक समरसता और मानव कल्याण के लिए समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। जिला महामंत्री राजेश सिंह ने हाल ही में हुए बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों की सफलता पर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बूथ समितियों का गठन जल्द पूरा करने, 'मन की बात' कार्यक्रम का सभी बूथों पर सामूहिक श्रवण कराने और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया।

फास्ट न्यूज

सड़क पर धान रोपकर ग्रामीणों ने जताया विरोध

बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर विकासखंड की सिहामऊ ग्राम पंचायत में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं की बदहाली के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। रामनगर-सिहामऊ और तारापुर को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर जमा कीचड़ में धान के पौधे रोपकर ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित किया।

प्रदर्शन को लेकर 10 छात्र गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ मामले में सोमवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। सीसीटीवी, वीडियो फुटेज से चिह्नित किए गए 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक माफिया अतीक अहमद के गढ़ मरियाडीह का भी रहने वाला है। इन सभी को देर शाम मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मुद्दा उठाया है, उन्होंने कहा- जब केंद्र सरकार ने वादा किया था कि किसी भी छात्र के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी तो फिर ऐसे धोखाधड़ी क्यों? वहीं सपा की प्रतापपुर विधायक विजमा यादव, सोरांव विधायक गीता पासी थाने पहुंचीं।

महिला से छेड़छाड़, भाई का नाक-कान काटा

गोरखपुर। गोरखपुर में महिला से छेड़छाड़ और विरोध करने पर आरोपी ने उसके भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने युवक के नाक और कान को दांत से काट लिया। आरोपी ने सबूत मिटाने के लिए घर के CCTV कैमरे भी तोड़ दिए।

पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने 26 जुलाई रात करीब 9 बजे यौन उत्पीड़न समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिष्य और गुरु, दोनों भूमिका में दिखेंगे सीएम योगी

शिष्य के रूप में गुरुओं की करेंगे पूजा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा का पर्व गोरक्षपीठ के लिए विशेष होता है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, शिवावतार एवं नाथपंथ के आदिगुरु महायोगी गोरखनाथ सहित पीठ के अपने पूर्ववर्ती गुरुजन की पूजन-स्तुति करते हैं और उसके बाद अपने शिष्यों और गोरक्षपीठ के श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हैं। गोरक्षपीठ की इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान पीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई, बुधवार) पर शिष्य और गुरु दोनों भूमिकाओं में दिखेंगे।

गुरु पूर्णिमा पर्व और नाथपंथ का संबंध कितना अटूट और गहरा है, इसका अंदाजा इस पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में होने वाले भव्य आनुष्ठानिक आयोजन को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। सभी नाथ योगियों ने इस परंपरा की गरिमा और प्रतिष्ठा को पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ कायम रखा है। महायोगी गुरु गोरखनाथ से लेकर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ तक ने न केवल इस परंपरा को समृद्ध किया है, बल्कि गुरु प्रतिष्ठा के प्रति लोगों को प्रेरित भी किया है।

मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद की तमाम व्यस्तताओं के बावजूद गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हर गुरु पूर्णिमा पर अपने गुरु का आशीर्वाद लेने और शिष्यों को आशीर्वाद देने के लिए गोरखनाथ मंदिर जरूर पहुंचते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में कहा- नए पात्र अभ्यर्थियों को भी भर्ती करेंगे, भर्ती प्रक्रिया को लेकर यूपी में अभ्यर्थियों ने कई बार प्रदर्शन किया

67 हजार शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी : यूपी सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दिया। सरकार ने बताया- 2020 में नियुक्त 67 हजार 867 शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी। अगर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक नई मेरिट लिस्ट में कुछ नए कैंडिडेट पात्र पाए जाते हैं, तो उन्हें खाली पड़े पदों पर नियुक्ति दी जाएगी।

सरकार ने सुबह करीब 11 बजे कोर्ट से यह भी कहा कि यह फैसला सिर्फ 69 हजार शिक्षक भर्ती के इस मामले तक सीमित रहेगा। इसे भविष्य की किसी दूसरी भर्ती के लिए उदाहरण नहीं माना जाएगा।

भर्ती प्रक्रिया को लेकर यूपी में अभ्यर्थियों ने कई बार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि साल 2019 में बेसिक शिक्षा परिषद ने 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती की परीक्षा करवाई थी। इसका नोटिफिकेशन 2018 में जारी हुआ था। इसी भर्ती में OBC कैटेगरी में टोटल 18,598 सीटें थीं, लेकिन OBC कैंडिडेट्स को सिर्फ 2,637 सीटें ही दी गईं।

सरकार ने तैयार कर ली संशोधित मेरिट लिस्ट

सरकार ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद हाईकोर्ट के 13 अगस्त 2024 के फैसले के मुताबिक संशोधित मेरिट लिस्ट तैयार कर ली गई है।

20 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सरकार ने कहा कि नई मेरिट लिस्ट में शामिल होने वाले पात्र कैंडिडेट्स को उपलब्ध रिक्त पदों पर समायोजित करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, ताकि पहले से नौकरी कर रहे 67 हजार 867 शिक्षकों की सेवा प्रभावित न हो।

> इस भर्ती प्रक्रिया में करीब 9 हजार ऐसे अभ्यर्थी हैं, जो अपनी पात्रता का दावा करते हुए सुप्रीम कोर्ट गए थे। सरकार ने कहा है कि इन्हें नियमों के तहत नौकरी दी जाएगी।

जून में अभ्यर्थियों ने लखनऊ में सड़कों पर रेंगकर प्रदर्शन किया था।

एसटी कैटेगरी के 1133 पद खाली

69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती के लिए 6 जनवरी, 2019 को ATRE-2019 परीक्षा हुई। फिर 7 जनवरी 2019 को सरकार ने जनरल कैटेगरी के लिए 65% और रिजर्व कैटेगरी के लिए 60% न्यूनतम पासिंग मार्क्स तय किए।

इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन 6 मई 2020 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार का फैसला सही माना। बाद में 18 नवंबर 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए सभी अपीलें खारिज कर दीं। इसके बाद 1 जून 2020 को क्वालिटी प्वाइंट के आधार पर 67 हजार 867 कैंडिडेट्स की सिलेक्शन लिस्ट जारी हुई। वहीं एसटी कैटेगरी के 1133 पद योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने की वजह से खाली रह गए।

बोला- मेरे पक्ष में फैसला नहीं किया, तो प्रयागराज में रहने नहीं देंगे

महिला पीसीएस अफसर को ऑफिस में घुसकर दी धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर जयजीत कौर से उनके ऑफिस में घुसकर गाली-गलौज करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। एडिशनल कमिश्नर का आरोप है कि उनके ऑफिस में एक युवक अपने साथियों के साथ घुस आया। उसने धमकी दी कि अगर मेरे पक्ष में फैसला नहीं किया, तो प्रयागराज में रहने नहीं देंगे। बात नहीं मानने पर अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। कर्नलगंज पुलिस ने सोमवार सुबह एक नामजद और 10-12 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है।

जयजीत कौर प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर (न्यायिक) के पद पर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को बताया- मेरा ऑफिस कमिश्नर ऑफिस परिसर में है। 17 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे हंडिया में रहने वाला पवन कुमार विश्वकर्मा अपने 10-12 साथियों के साथ मेरे ऑफिस आया। वह मुझसे एक विचाराधीन मामले में अपने पक्ष में फैसला देने की बात कहने लगा। इस पर मैंने कहा कि किसी भी वाद का निस्तारण केवल गुण-दोष और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। यह सुनकर पवन और उसके साथी भड़क गए। उन्होंने मुझसे गाली-गलौज की और देख लेने की धमकी दी।

यही नहीं, पवन और उसके साथियों ने कमिश्नर ऑफिस परिसर में नारेबाजी भी की। इससे कुछ समय के लिए सरकारी कामकाज प्रभावित हुआ।

42 साल की जयजीत कौर यूपीपीसीएस 2016 बैच की टॉपर रही हैं। वह कानपुर की रहने वाली हैं। लखनऊ के आईईटी कॉलेज से बीटेक करने के बाद उन्होंने मुंबई से एमबीए किया। पीसीएस परीक्षा पास करने से पहले वह आईटी सेक्टर में जॉब कर रही थीं। पति आशुतोष के प्रोत्साहन पर उन्होंने नौकरी छोड़कर पीसीएस की तैयारी शुरू की। फिर पहले ही प्रयास में टॉप किया था।

जयजीत कौर प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर (न्यायिक) के पद पर तैनात हैं।

दो मुकदमे पहले से, गुंडा एक्ट भी लगा

जयजीत कौर ने अपनी शिकायत में यह भी कहा कि पवन के खिलाफ हंडिया में पहले से मारपीट, गाली-गलौज, धमकी देने और आबकारी अधिनियम के तहत एक अन्य केस दर्ज है। दोनों मामलों में चार्जशीट भी लग चुकी है। 2022 में उसके खिलाफ यूपी गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई करने को कहा गया था। महिला अफसर ने अपनी शिकायत में आशंका जताई कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक घटना हो सकती है। हालांकि, वाद क्या है, इस बारे में अभी पता नहीं चल पाया है। डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया- शिकायत के आधार पर एफआई-ईआर दर्ज कर ली गई है। ऑफिस परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज से जांच की जा रही है।

प्राथमिक विद्यालय में 8 वर्षीय छात्र की मौत

सांप के काटने से मौत होने की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के त्रिवेदीगंज क्षेत्र स्थित सहावर प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को कथित सर्पदंश से 8 वर्षीय छात्र अंशु लोधी की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में हंगामा किया और शिक्षकों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

जानकारी के मुताबिक, अंशु लोधी विद्यालय में पढ़ाई के दौरान बाथरूम गया था। लौटते समय उसे किसी जहरीले जंतु ने काट लिया, ऐसी आशंका जताई जा रही है। इसके कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। गंभीर हालत में उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्र के पिता अशोक लोधी ने आरोप लगाया है कि बेटे की तबीयत बिगड़ने के बावजूद विद्यालय के शिक्षकों ने उन्हें समय पर सूचना नहीं दी। उनका कहना था कि यदि समय रहते जानकारी मिल जाती और इलाज शुरू हो जाता, तो शायद बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हैदरगढ़ और लोनीकटरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। क्षेत्राधिकारी समीर सिंह, उपजिलाधिकारी हैदरगढ़ अश्वनी कुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी रामनारायण ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

हादसा : 8 घायल डीएम ने बनाई जांच कमेटी सूर्यास्त के बाद बोटिंग पर रोक

रामगढ़ताल में स्पीड बोट टकराई एक पर्यटक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के नौका विहार पर रामगढ़ताल में स्पीड बोट की टक्कर में बड़ा हादसा हुआ। हादसे में सिर पर चोट लगने से 20 साल के लखमुद्दीन की मौत हो गई। जबकि अन्य 8 लोग घायल हो गए।

जिस बोट को टक्कर लगी उसपर 9 लोग सवार थे। जबकि दूसरे पर 6 लोग थे। मृतक के भाई सलाउद्दीन की तहरीर पर रविवार देर रात दोनों नाव चालक कुशीनगर के अभिषेक साहनी और जंगल काकौड़िया के अभिषेक गोंड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

वहीं घटना के बाद डीएम ने 3 सदस्यीय जांच टीम बना दी है। जो तीन दिन में रिपोर्ट सौंपेगी। जबकि जीडीए वीसी अभिनव गोपाल ने कहा- अब सूर्यास्त के बाद रामगढ़-ताल में बोटिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। रविवार को देर शाम करीब 6 बजे कुशीनगर से कयामुद्दीन अंसारी (29) परिवार के 9 सदस्यों के साथ रामगढ़ताल घूमने आए थे। कयामुद्दीन के साथ पत्नी रुख्साना खातून, बेटी नूरसभा, गुलसभा, सनाया, बेटा आमिर हमजा, मौसेरा भाई सलाउद्दीन, लखमुद्दीन और उसके दो दोस्त भी थे। करीब 8 बजे वे नौका विहार पहुंचे। कुछ देर इधर-उधर घूमने के बाद 7 लोगों ने बोटिंग करने का मन बनाया। प्लेटफॉर्म नंबर 5 से टिकट लिया गया। सभी नाव पर बैठे। इस दौरान दो अन्य लोग भी बैठे।

आगे की जांच और कार्रवाई जारी

एसपी सिटी निमिष पाटिल ने बताया-घटना में कोई नाव पलटी नहीं थी। टक्कर में लखीमुद्दीन को सिर पर चोट लगी जिसकी वजह से युवक की जान गई। एक चालक को पकड़ लिया गया है। दूसरे की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। दोनों चालकों के खिलाफ FIR दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- हादसा देखकर हम लोग डर गए

प्रत्यक्षदर्शी अजय गुप्ता ने बताया- हादसे के बाद कुछ समझ ही नहीं आया कि हम लोग क्या करें। देखा लोग चीखते-चिल्लाते हुए इधर-उधर भाग रहे हैं। देखा घायलों के सिर से खून बह रहा था। हम लोग भी डर गए फिर वहां से निकल गए। प्रभात पांडेय ने बताया- हादसे के बाद पर्यटकों में डर का माहौल बन गया। बोटिंग के लिए भी कई लोगों ने टिकट ले लिया था लेकिन सभी वापस लौट गए। किसी ने बोटिंग करने की हिम्मत नहीं की।

> डीएम दीपक मीणा ने कहा-घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी गई है। इसमें जीडीए, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी शामिल हैं। समिति 3 दिन में रिपोर्ट देगी। जीडीए को सूर्यास्त के बाद रामगढ़ताल में बोटिंग का संचालन बंद कराने को कहा गया है।

प्रयागराज में बवाल करने वाले समाजवादी गुंडे : केशव

छात्र आंदोलन में कई वाहन तोड़े गए, जांच के बाद कार्रवाई होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में छात्र आंदोलन के दौरान हुई तोड़फोड़ और हिंसा की घटना पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा बयान दिया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन की आड़ में यदि किसी ने हिंसा की है तो उसकी जांच कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

सोमवार की सुबह 11 बजे सर्किट हाउस में मीडिया से केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'जो बच्चे NEET पेपर से संबंधित थे, उन लोगों ने ये काम नहीं किया। आंदोलन के बीच में समाजवादी पार्टी के गुंडों ने घुसकर के अगर कुछ किया है तो उसकी जांच होगी। दरअसल प्रयागराज में छात्र आंदोलन के दौरान 25 जुलाई को भाजपा नेताओं और अन्य लोगों के वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई थीं। फॉर्च्यूनर कार में तोड़फोड़ मामले में हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं की 3 एफआई-ईआर हुई हैं।

'सरकार का रुख छात्रों और उपद्रवियों के लिए अलग-अलग'

केशव प्रसाद मौर्य अपने दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज में हैं। पहले दिन उन्होंने रविवार को तहसील सोरांव के ग्राम-पुरूषोत्तमपुर उर्फ गारापुर में अमृत सरोवर परिसर में स्थापित महात्मा बुध, भगवान परशुराम, महाराणा प्रताप, सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमाओं तथा अशोक की लाट का अनावरण किया।

83.86 लाख की ई-निविदा विवाद में नया मोड़

ब्लैकलिस्टिंग के बाद एफआईआर की मांग, दूसरी निविदाओं में कथित हिस्सेदारी की चर्चाओं से उठे सवाल

मांग

- टेंडर निरस्त, एक वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट
- अब मुख्यमंत्री से एफआईआर और विभागीय कार्रवाई की मांग
- आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। नगर पंचायत इल्तिफातगंज की 83.86 लाख की ई-निविदा का मामला अब नया मोड़ लेता दिख रहा है। कथित गलत अनुभव प्रमाण-पत्र के आधार पर निविदा प्रक्रिया में अनियमितता पाए जाने के बाद संबंधित ठेकेदार को एक वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है।

ब्लैकलिस्टिंग के बाद दूसरी निविदाओं में हिस्सेदारी पर सवाल

मामले में सबसे बड़ा सवाल ब्लैकलिस्टिंग के अनुपालन को लेकर उठ रहा है। सूत्रों के हवाले से चर्चा है कि संबंधित ठेकेदार की दूसरी निविदाओं में भी कथित हिस्सेदारी रही है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि ऐसी स्थिति सामने आती है तो ब्लैकलिस्टिंग के पालन और विभागों के बीच समन्वय को लेकर भी सवाल खड़े होंगे।

अब शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री से एफआईआर दर्ज कराने, संबंधित अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई और धरोहर राशि जब्त करने की मांग की है। वहीं, ब्लैकलिस्टिंग के बावजूद दूसरी निविदाओं में कथित हिस्सेदारी की चर्चाओं ने भी टेंडर व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच में सामने आईं निविदा प्रक्रिया की अनियमितताएं

आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत की जांच अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) से कराई गई। जांच रिपोर्ट के अनुसार तीन फरवरी 2026 को जारी 83.86 लाख की ई-निविदा में पात्रता के लिए कम से कम 28 लाख के समान कार्य का अनुभव अनिवार्य था। आरोप है कि संबंधित ठेकेदार ने नगर पंचायत जहांगीरगंज से जारी अनुभव प्रमाण-पत्र में 16.01 लाख के कार्य को 30.32 लाख दर्शाकर पात्रता प्राप्त करने का प्रयास किया।

मुख्यमंत्री को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यदि गलत अनुभव प्रमाण-पत्र का इस्तेमाल हुआ है तो यह केवल निविदा नियमों के उल्लंघन का मामला नहीं, बल्कि सरकारी अभिलेखों से जुड़ा गंभीर विषय भी है। शिकायतकर्ता ने संबंधित ठेकेदार और अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने वाले अधिकारी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने, विभागीय कार्रवाई, निलंबन, ब्लैकलिस्टिंग तथा धरोहर राशि जब्त करने की मांग की है। दूसरी निविदाओं में कथित हिस्सेदारी और मुख्यमंत्री को भेजी गई शिकायत में लगाए गए आरोपों पर संबंधित पक्ष की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल, पूरे मामले में आगे की प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

> जांच में निविदा प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण मानते हुए टेंडर निरस्त कर दिया गया। इसके बाद वरिष्ठ कोषाधिकारी की रिपोर्ट और जिलाधिकारी के निर्देश के आधार पर नगर पंचायत इल्तिफातगंज ने 15 जुलाई 2026 से संबंधित ठेकेदार को एक वर्ष के लिए सभी निविदाओं में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया।

पति के भाई के घर रह रही महिला ने लगाई गुहार

आवास पात्रता की दोबारा निष्पक्ष जांच की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाए जाने की मांग को लेकर एक गरीब महिला ने जिलाधिकारी अंबेडकरनगर को प्रार्थना पत्र देकर अपनी आवास पात्रता की दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। महिला का आरोप है कि विकासखंड कटेहरी के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट अधूरी और भ्रामक है, जिससे उसकी वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ सकी। ग्राम बंदंडीह (भवानीपुर),तहसील अकबरपुर विकासखंड कटेहरी की अस्थायी निवासी गायत्री देवी पत्नी सूर्य नारायण तिवारी ने बताया कि वह अत्यंत गरीब और आवास विहीन है।

अपने पति और पांच छोटे-छोटे बच्चों के साथ मजबूरी में पति के भाई के मकान में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि 24 जून 2026 को भी मुख्य विकास अधिकारी अंबेडकर नगर को प्रार्थना पत्र दिया था, जिसके बाद बीडीओ कटेहरी ने जांच की थी।

महिला का कहना है कि जांच रिपोर्ट में यह तो स्वीकार किया गया कि वह अपने पति के भाई के मकान में रह रही हैं, लेकिन यह उल्लेख नहीं किया गया कि उनके पास स्वयं का कोई मकान नहीं है और इसी कारण उन्हें वहां आश्रय लेना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि इस महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाने से उनकी आवास योजना की पात्रता प्रभावित हो रही है। गायत्री देवी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की पुनः निष्पक्ष जांच कराई जाए और गांव के पांच संभ्रांत व्यक्तियों की लिखित गवाही के आधार पर उनकी आवास पात्रता अथवा अपात्रता का निर्णय कराया जाए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें सरकार की आवास योजना का लाभ दिलाया जाए, ताकि उनके परिवार को स्थायी आवास मिल सके।

फास्ट न्यूज

एसपी ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादें

अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

नवनियुक्त एसडीएम से मिले भाजपाई

जलालपुर, अंबेडकरनगर। नवनियुक्त उपजिलाधिकारी मधुमिता सिंह से भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि और विकास निषाद ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने उपजिलाधिकारी का स्वागत करते हुए उन्हें शिव परिवार की प्रतिमा भेंट की। भेंट के दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को उपजिलाधिकारी के समक्ष रखा। उन्होंने स्थानीय स्तर पर समाधान की आवश्यकता वाले मुद्दों से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई की अपेक्षा जताई। विकास निषाद ने आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के संबंध में उपजिलाधिकारी से चर्चा की।

एएसपी ने विवेचकों की समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

अंबेडकरनगर। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेंद्र कुमार ने रविवार को टांडा सर्किल के सभी विवेचकों की ओआर (ऑर्डरली रूम) बैठक की। इस दौरान उन्होंने विवेचनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में विवेचकों से लंबित और प्रचलित विवेचनाओं की स्थिति की जानकारी ली गई।

जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर अधूरे निर्माण ने रोकी रफ्तार

मुख्य प्रवेश द्वार बंद होने से लगा लंबा जाम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर नाली निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से सोमवार को अव्यवस्था का बड़ा नजारा देखने को मिला। मुख्य प्रवेश द्वार बंद होने के कारण अस्पताल के बाहर लंबा जाम लग गया। जाम में कई एंबुलेंस भी फंस गईं, जिससे मरीजों और तीमारदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर नाली निर्माण का कार्य शुरू कराया गया था, लेकिन निर्माण बीच में ही रुक गया। इसके बावजूद मुख्य गेट बंद कर दिया गया, जिससे अस्पताल आने-जाने वाले वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। देखते ही देखते अस्पताल के बाहर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

मुख्य मार्ग पर जाम लगने से कई एंबुलेंस भी काफी देर तक फंसी रहीं।

अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोगों को पैदल अस्पताल तक पहुंचना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य कई घंटे से बंद पड़ा है, जबकि मुख्य गेट पहले से ही बंद है। ऐसे में अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होना जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है। जाम की स्थिति के कारण अस्पताल परिसर के बाहर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा

डाकघर से मिलेगा गंगोत्री का गंगाजल 33 डाकघरों में बिक्री

30 रुपये में उपलब्ध है 300 मिलीलीटर की शीशी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सावन में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए अब श्रद्धालुओं को गंगाजल की तलाश में दूर नहीं जाना पड़ेगा। डाक विभाग ने जिले के प्रधान डाकघर सहित 32 उप डाकघरों में उत्तराखंड के गंगोत्री से लाया गया गंगाजल उपलब्ध कराया है। श्रद्धालु 30 रुपये में 300 मिलीलीटर गंगाजल की शीशी खरीद सकते हैं। डाक विभाग ने सावन को देखते हुए जिले में गंगोत्री का गंगाजल उपलब्ध कराया है। प्रधान डाकघर समेत 32 उप डाकघरों में कुल तीन हजार शीशियां भेजी गई हैं। प्रधान डाकघर में गंगाजल बिक्री के लिए अलग काउंटर बनाया गया है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं को गंगाजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

डाक विभाग के अनुसार अब तक

एक हजार से अधिक गंगाजल की शीशियां बिक चुकी हैं। सावन के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती मांग को देखते हुए डाकघरों में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रखा गया है।

जलालपुर, जाफरगंज, मालीपुर, बसखारी, टांडा, बरियावां, विद्युतनगर, महरुआ, भीटी, कटेहरी, औरंगनगर समेत अन्य उप डाकघरों में 100-100 शीशियां भेजी गई हैं, ताकि विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु आसानी से गंगाजल प्राप्त कर सकें।

पोस्टमास्टर सुमन पांडेय ने बताया कि सावन के प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को शिव बाबा धाम परिसर में गंगाजल बिक्री के लिए विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। तीन अगस्त, सावन के पहले सोमवार को भी शिव बाबा धाम में स्टॉल लगाया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में ही गंगाजल उपलब्ध हो सके। गंगाजल खरीदने पहुंचे श्रद्धालुओं ने बताया कि रुद्राभिषेक और जलाभिषेक के लिए आसानी से गंगाजल उपलब्ध हो रहा है। इससे दूरस्थ तीर्थस्थलों से गंगाजल लाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और सावन में पूजा-अर्चना करना पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो गया है।

समरसता संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला

बूथ स्तर तक अभियान पहुंचाने की रणनीति

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय अटल भवन में सोमवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने की, जबकि संचालन जिला संयोजक सुरेश कन्नौजिया ने किया। इस दौरान अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं। अभियान के

माध्यम से संत गुरु रविदास महाराज के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाएगा।

जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने और समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय ने अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को समरसता दीप अभियान आयोजित होगा।

सीजेएम के आदेश पर मुकदमा दर्ज, फर्जी प्रमाणपत्र और वेबसाइट का आरोप

फर्जी मान्यता के नाम पर पैरामेडिकल कॉलेज से 31.28 लाख की ठगी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर क्षेत्र स्थित लॉर्ड बुद्धा नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज को फर्जी मान्यता दिलाने के नाम पर 31 लाख 28 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर इब्राहिमपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि खुद को स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी, लखनऊ का रजिस्ट्रार बताने वाले व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज प्रबंधन से लाखों रुपये वसूल लिए।

कुछ समय बाद कॉलेज प्रबंधन को जानकारी मिली कि मान्यता प्रमाणपत्र और उससे संबंधित वेबसाइट दोनों फर्जी हैं। आरोप है कि इसके बावजूद विनोद यादव के

निर्देश पर वर्ष 2018 से 2022 तक कॉलेज में प्रवेश, शिक्षण, परीक्षा और अन्य औपचारिकताएं कराई जाती रहीं। इस दौरान विभिन्न मदों में लगातार धनराशि ली जाती रही। प्रबंधक के अनुसार 20 सितंबर 2018 से 9 फरवरी 2022 के बीच कॉलेज के पंजाब नेशनल बैंक खाते से आरोपी के एक्सिस बैंक खाते में 29 लाख 78 हजार रुपये स्थानांतरित किए गए। प्रारंभिक भुगतान सहित कुल 31 लाख 28 हजार रुपये की धोखाधड़ी होने का आरोप लगाया गया है।

धोखाधड़ी का पता चलने पर कॉलेज प्रबंधन ने आरोपी से संपर्क किया। आरोप है कि उसने रकम लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन करीब तीन वर्ष बीतने के बाद भी भुगतान नहीं किया। इसके बाद इब्राहिमपुर थाने और 24 सितंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई। कार्रवाई न होने पर प्रबंधन ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद सीजेएम के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया। कॉलेज प्रबंधन का दावा है कि वर्ष 2018-19 से 2022 तक अध्ययन करने वाले सैकड़ों छात्रों के अंकपत्र भी फर्जी पाए गए। आरोप है कि अंकपत्र स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी, लखनऊ के बजाय पैसिफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर और जयपुर कॉलेज ऑफ फार्मेसी के नाम से जारी किए गए।

रजिस्ट्रार बनकर पहुंचा, मान्यता दिलाने का दिया भरोसा

कॉलेज के प्रबंधक नवीन प्रकाश वर्मा के अनुसार वर्ष 2018 में गोरखपुर निवासी विनोद यादव अपनी टीम के साथ कॉलेज पहुंचा। उसने खुद को स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी, लखनऊ का रजिस्ट्रार बताते हुए एएनएम, जीएनएम और डी-फार्मा समेत अन्य पाठ्यक्रमों की मान्यता दिलाने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के बाद उसने करीब डेढ़ लाख रुपये लिए और मान्यता का प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराया।

इलाज के लिए पहुंची थी गरिमा इंजेक्शन के बाद थम गई सांसें

मेडिकल स्टोर परिसर में कथित क्लिनिक में इलाज का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर क्षेत्र स्थित लॉर्ड बुद्धा नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज को फर्जी मान्यता दिलाने के नाम पर 31 लाख 28 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर इब्राहिमपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि खुद को स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी, लखनऊ का रजिस्ट्रार बताने वाले व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज प्रबंधन से लाखों रुपये वसूल लिए।

कुछ समय बाद कॉलेज प्रबंधन को जानकारी मिली कि मान्यता प्रमाणपत्र और उससे संबंधित वेबसाइट दोनों फर्जी हैं। आरोप है कि इसके बावजूद विनोद यादव के

निर्देश पर वर्ष 2018 से 2022 तक कॉलेज में प्रवेश, शिक्षण, परीक्षा और अन्य औपचारिकताएं कराई जाती रहीं। इस दौरान विभिन्न मदों में लगातार धनराशि ली जाती रही। प्रबंधक के अनुसार 20 सितंबर 2018 से 9 फरवरी 2022 के बीच कॉलेज के पंजाब नेशनल बैंक खाते से आरोपी के एक्सिस बैंक खाते में 29 लाख 78 हजार रुपये स्थानांतरित किए गए। प्रारंभिक भुगतान सहित कुल 31 लाख 28 हजार रुपये की धोखाधड़ी होने का आरोप लगाया गया है।

धोखाधड़ी का पता चलने पर कॉलेज प्रबंधन ने आरोपी से संपर्क किया। आरोप है कि उसने रकम लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन करीब तीन वर्ष बीतने के बाद भी भुगतान नहीं किया। इसके बाद इब्राहिमपुर थाने और 24 सितंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई। कार्रवाई न होने पर प्रबंधन ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद सीजेएम के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया। कॉलेज प्रबंधन का दावा है कि वर्ष 2018-19 से 2022 तक अध्ययन करने वाले सैकड़ों छात्रों के अंकपत्र भी फर्जी पाए गए।

कबूतर उड़ान प्रतियोगिता का समापन विजेताओं को किया गया सम्मानित

भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत का दिया संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। किछौछा के निजामुद्दीनपुर में आयोजित दो दिवसीय कबूतर उड़ान टूर्नामेंट का समापन सोमवार को उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुड्डू अंसारी ने की, जबकि संचालन मोहम्मद असद (जलालपुर) ने किया। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मोहम्मद शफी नेशनल इंटर कॉलेज, हंसवर के शिक्षक मोहम्मद असलम खान ने कहा कि कबूतर शांति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कबूतरबाजी केवल एक शौक नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, लगन और पारंपरिक विरासत से जुड़ी गतिविधि है। ऐसे आयोजन आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम

की अध्यक्षता कर रहे गुड्डू अंसारी ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल भावना को बढ़ावा देना और समाज में आपसी मेल-मिलाप एवं सौहार्द का वातावरण बनाए रखना है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया। प्रतियोगिता के पहले दिन अब्दुल्लाह अंसारी ने प्रथम, बबलू ने द्वितीय और गुड्डू अंसारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

दूसरे दिन की प्रतियोगिता में अब्दुल्लाह अंसारी ने प्रथम, धर्मेंद्र कुमार ने द्वितीय और शाकिर अंसारी ने तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रस्ताव : राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत आवेदन शुरू

जिले में बनेगा बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के तहत जिले में एंटरप्राइज मॉडल पर एक बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) स्थापित किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और पैक्स (पीएसीएस) से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उप निदेशक कृषि डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने योजना की जानकारी देते हुए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन करने की अपील की है।

उप निदेशक कृषि ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पशु एवं पौध आधारित प्राकृतिक जैव-आदानों की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता जरूरी है। इसी उद्देश्य से एनएमएनएफ क्लस्टरों में

बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर की स्थापना की जाएगी, ताकि किसानों को आवश्यक जैव-आदान आसानी से उपलब्ध हो सकें।

आवेदकों को पात्रता संबंधी वैध दस्तावेज, प्रस्तावित बीआरसी का विस्तृत व्यवसाय प्रस्ताव, प्राकृतिक खेती की स्थिति, बाजार विश्लेषण, विपणन रणनीति, तैयार किए जाने वाले जैव-आदानों की सूची, कच्चे संसाधनों की उपलब्धता का विवरण तथा एसएचजी, एफपीओ, पीएसीएस, गौशाला, ग्राम पंचायत या अन्य सामुदायिक संस्थाओं से साझेदारी का विवरण आवेदन के साथ प्रस्तुत करना होगा।

उप निदेशक कृषि ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति, उद्यमी, स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन और पैक्स योजना से संबंधित जानकारी तथा आवेदन प्रक्रिया के लिए उप निदेशक कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

इन उद्यमियों को मिलेगी प्राथमिकता

बीआरसी के लिए वही उद्यमी, समूह या इकाई पात्र होगी, जो प्राकृतिक खेती का अभ्यास कर रही हो या जिसके सदस्यों को प्राकृतिक खेती का अनुभव हो। यदि किसी क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने वाला किसान उपलब्ध नहीं है, तो ऐसे इच्छुक और प्रशिक्षित किसान भी आवेदन कर सकेंगे, जो आगामी फसल सत्र से प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए तैयार हों।

> बीआरसी संचालित करने के लिए पशुधन, पौध आधारित बायोमास और अन्य आवश्यक कच्चे संसाधनों की उपलब्धता अनिवार्य होगी। साथ ही गोबर और गोमूत्र की आपूर्ति के लिए निकटवर्ती गौशालाओं से व्यवस्था तथा जैव-आदानों के निर्माण और भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान होना आवश्यक है।

सरकारी विभागों के अधिकारी कर्मचारी ले सकेंगे हिस्सा

कार्यमुक्ति प्रमाणपत्र लाना होगा अनिवार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में कार्यरत राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सिविल सर्विसेज खेल प्रतियोगिताओं का जिला स्तरीय चयन एवं ट्रायल छह अगस्त को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिला क्रीड़ाधिकारी डॉ. मंजूर आलम अंसारी ने बताया कि चयन ट्रायल विभिन्न खेलों के लिए आयोजित होंगे। जिला स्तरीय चयन ट्रायल में टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एवं बेस्ट फिजिक, एथलेटिक्स, फुटबॉल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावर-लिफ्टिंग, क्रिकेट, हॉकी, खो-खो और योगासन प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। जिला क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार की गाइडलाइन के

अनुसार इस चयन प्रक्रिया में केवल नियमित सरकारी अधिकारी और कर्मचारी ही भाग ले सकेंगे। परिषद, बोर्ड, नगर निगम, पंचायत, पुलिस विभाग के कर्मचारी तथा अध्यापक, सहायक अध्यापक सहित स्वायत्तशासी संस्थाओं (ऑटोनोमस बॉडी) से जुड़े कर्मचारी इसमें पात्र नहीं होंगे।

चयन ट्रायल में भाग लेने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने विभाग की ओर से जारी कार्यमुक्ति (रिलीविंग) संबंधी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। बिना कार्यमुक्ति प्रमाणपत्र के किसी भी प्रतिभागी को चयन ट्रायल में शामिल नहीं किया जाएगा।

सम्पादकीय

परीक्षा सुधार

प्रधानमंत्री ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में परीक्षा सुधारों के लिए एक कार्य बल गठित करने का जो फैसला लिया, वह एक ठोस कदम जान पड़ता है, क्योंकि बात केवल मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट की ही नहीं थी। पिछले कुछ वर्षों में न जाने कितनी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक हुए हैं। इन स्थितियों में सभी परीक्षाओं में सुधार के कोई ठोस उपाय किए जाने आवश्यक हो गए थे। यह आशा की जाती है कि नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में गठित कार्य बल परीक्षाओं में सुधार के प्रभावी उपाय कर सकने में सक्षम रहेगा। यह अपेक्षा इसलिए है, क्योंकि वे तकनीक के दिग्गज हैं और उन्हें आधार एवं यूपीआइ का जनक माना जाता है। नीलेकणी के नेतृत्व में गठित कार्य बल परीक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए सुझाव देगा। इन सुझावों पर समय रहते सही ढंग से अमल करना होगा, क्योंकि इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नीट में सुधारों के लिए राधाकृष्णन समिति ने जो सुझाव दिए थे, उन सभी का सही तरह से पालन नहीं किया जा सका और संभवतः उसी के नतीजे में इस परीक्षा के प्रश्न पत्र बार-बार लीक हुए। अच्छा होता कि सरकार ने अब जाकर जो निर्णय लिया, वह और पहले ही ले लेती। उसने पिछले कुछ दिनों में परीक्षा में सुधार के लिए जो अनेक फैसले लिए, उनसे यह प्रतीति हो रही है कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन से उपजी परिस्थितियों के बाद लिए गए। जो भी हो, कम से कम अब ऐसे प्रबंध किए जाने चाहिए जिससे किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक न हों, क्योंकि जब ऐसा होता है तो परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर तो प्रश्न चिह्न लगता ही है, छात्रों के समय एवं संसाधन की बर्बादी भी होती है। इससे भी बड़ी बात यह कि पूरी व्यवस्था पर से उनका भरोसा डिगता है।

परीक्षाओं में सेंध लगाने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के साथ यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य था कि परीक्षा प्रणाली में आमूलचूल सुधार किए जाएं। सुधार का यह दायरा केवल केंद्र और राज्यों की संस्थाओं की ओर से आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं तक ही नहीं सीमित रहना चाहिए। इसका दायरा स्कूली परीक्षाओं तक भी जाना चाहिए, क्योंकि इन परीक्षाओं में नकल एक सामाजिक बुराई बन गई है।

परीक्षाओं में सेंध लगाने वाला एक माफिया पैदा हो गया है। इसमें कोचिंग चलाने वाले भी शामिल हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि परीक्षा के साथ शिक्षा में भी सुधार के ठोस प्रयत्न किए जाएं। यदि आवश्यक समझा जाए तो नई शिक्षा नीति में भी फेरबदल किया जाना चाहिए, क्योंकि एआइ के बढ़ते हस्तक्षेप के साथ ही परिस्थितियां बहुत बदल गई हैं।

जब जंतर-मंतर पर जेन जी ने 'प्राइवेट मोड' को 'पब्लिक ब्रॉडकास्ट' बना दिया

66 जंतर-मंतर की सड़कों पर जब इस पीढ़ी की लड़कियों और लड़कों ने पीरियड्स, उसके दर्द और 'पीरियड लीक' होने जैसी जमीनी सच्चाइयों पर तख्तियां लहराईं, तो टीवी स्क्रीन के उस पार बैठी पुरानी पीढ़ी के मुंह से चाय का घूंट हलक में ही अटक गया।

राजनीतिक पंडित जब जंतर-मंतर के किसी धरने का विश्लेषण करते हैं, तो वे अक्सर नारों की गूंज, बैनरों के रंग और सरकार पर पड़े प्रभाव का पैमाना नापते हैं। लेकिन हाल ही में जेन जी (Gen Z) के हल्ला-बोल ने भारतीय समाजशास्त्र को एक ऐसा नया अध्याय दिया है, जिसका विश्लेषण केवल राजनीति के चश्मे से करना नाइंसाफी होगी। यह आंदोलन सिर्फ मांगों की फेहरिस्त लेकर नहीं आया था; यह आंदोलन भारत के भाषाई, सांस्कृतिक और वैचारिक ढांचे के लिए एक 'सिस्टम अपडेट' लेकर आया था। जिस देश में आधी से ज्यादा आबादी अपनी जैविक बनावट और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को लेकर जिंदगी भर एक अजीब से अपराधबोध (Guilt) में जीती रही हो, वहां इस नई पीढ़ी ने भरे चौराहे पर माइक थामकर 'सो-कॉल्ड वर्जनाओं' की ऐसी धज्जियां उड़ाईं कि पुरानी पीढ़ियां अपना चश्मा साफ करती ही रह गईं। पुरानी पीढ़ियों का इतिहास देखें तो उनकी अभिव्यक्ति का तरीका बड़ा ही रोचक और संकोच से भरा रहा है। हमारे बड़े-बुजुर्गों ने जिन सच, इच्छाओं और शारीरिक सच्चाइयों को जिंदगी भर मन के सबसे गहरे कोने में दबाकर रखा, या बहुत मेहरबानी हुई तो किसी बंद कमरे में अपने सबसे जिगरी दोस्त के कान में 'प्लीज किसी को बताना मत' वाले डिस्क्लेमर के साथ फुसफुसाया—जेन जी ने उन सभी बातों को बिना किसी बैकग्राउंड म्यूजिक या रीटेक के, सीधे लाइव कैमरा के सामने बोल दिया। इसे कुछ लोग 'संस्कारों का पतन' कह सकते हैं, लेकिन निष्पक्ष नजर से देखें तो यह दशकों से चले आ रहे ढोंग और नकली शराफत के गुब्बारे में पिन चुभोने जैसा था।

हमारे समाज में बरसों से एक अलिखित और बेहद विचित्र नियम चला आ रहा था: जो चीज जितनी प्राकृतिक और ईश्वर-प्रदत्त है, उसे उतना ही सात पर्दों के पीछे छिपाकर रखो। व्यक्तिगत नजरिए से देखें तो यह आंदोलन दरअसल 'काली पॉलीथिन संस्कृति' पर एक सीधी चोट था। याद कीजिए वह दौर जब मेडिकल स्टोर से सैनिटरी पैड खरीदना किसी गुप्त सैन्य अभियान जैसा होता था। पैड पहले अखबार की दो परतों में लपेटा जाता था, फिर उसे एक गहरी काली पॉलीथिन में सील किया जाता था ताकि रास्ते में कोई यह न देख ले कि इंसान के शरीर में एक सामान्य जैविक प्रक्रिया भी होती है! लेकिन जेन जी का लॉजिक बहुत सीधा और वैज्ञानिक है—जो प्रक्रिया शत-प्रतिशत कुदरती है, उसे किसी आपराधिक रहस्य की तरह गोपनीय रखने की क्या तुक है?

जिस विषय पर बात करने से पहले घर की महिलाएं कमरे की कुंडी बंद कर लेती थीं, उस विषय पर जेन जी ने पूरी दुनिया को एक मुफ्त 'नॉलेज अपडेट' दे दिया। पुरानी पीढ़ी को शायद पहली बार अहसास हुआ कि जिसे वे जीवनभर 'शर्म और हया' का नाम देकर छुपाते रहे, वह तो बस एक बायोलॉजिकल फैक्ट था, जिसे बेवजह का रहस्य बनाकर जटिल कर दिया गया था। इस प्रदर्शन का सबसे तीखा और दिलचस्प पहलू था—भाषाई आजादी। अगर भाषा के इतिहास पर नजर डालें, तो पुरानी पीढ़ियों ने शरीर की बनावट और उसके अंगों के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया था। हमारे समाज की विडंबना देखिए: जिन शारीरिक अंगों के नाम लेने में पुरानी पीढ़ी को शर्म आती थी, उन्हीं अंगों के नामों को उन्होंने पूरे सम्मान के साथ 'गालियों' की श्रेणी में आरक्षित कर रखा था! यानी, अगर किसी को नीचा दिखाना हो या गुस्सा निकालना हो, तो उन्हीं अंगों के नाम याद आते थे, लेकिन अगर स्वास्थ्य, शिक्षा या सामान्य बातचीत में उनका जिक्र करना हो, तो जुबान पर सांप सूंघ जाता था।

जेन जी ने इस दोहरे रवैये (Double Standards) पर ऐसा करारा तंज कसा है कि भाषाविद भी हैरान हैं। उन्होंने साफ कर दिया कि शरीर का कोई भी अंग न तो अश्लील है और न ही गाली। अंग तो बस अंग हैं, गंदा तो उस समाज का नजरिया था जिसने कुदरत की रचना को ही गाली बना दिया। जब जंतर-मंतर पर नई पीढ़ी ने बिना किसी हिचकिचाहट के इन शब्दों का इस्तेमाल एक सामान्य विमर्श (Normal Conversation) की तरह किया, तो उन्होंने दरअसल भाषा का शुद्धिकरण ही किया। उन्होंने दिखाया कि अश्लीलता शब्दों में नहीं, बल्कि उन शब्दों को लेकर मन में बसी कुंठा (Inhibition) में होती है।

अगर हम भारत के इस सामाजिक परिवर्तन को एक तुलनात्मक कैनवास पर उतारकर देखें, तो दो पीढ़ियों का अंतर साफ झलकता है:

अभिव्यक्ति का तरीका: पुरानी पीढ़ी का मानना था कि 'बड़प्पन' और 'सभ्यता' बात को घुमा-फिरा-कर, पर्दों में लपेटकर और आधी-अधूरी छोड़ने में है। वहीं जेन जी का सिद्धांत है—नो-फिल्टर, स्ट्रेट टू द पॉइंट।

सामाजिक प्रतिक्रिया: जहां पुरानी पीढ़ी हमेशा इस बात से डरती रही कि ₹चार लोग क्या कहेंगे?₹, वहीं जेन जी ने उस 'चार लोग' नामक काल्पनिक भूत को ही कटघरे में खड़ा कर दिया कि ₹तुम होते कौन हो कहने वाले?

मानसिकता: पुरानी पीढ़ी ने परंपरा के नाम पर संकोच को ओढ़ा, जबकि नई पीढ़ी ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के नाम पर स्पष्टता (Clarity) को चुना। यह जेन जी की बेबाकी ही है जिसने हमारे समाज के उस 'सभ्य मुखौटे' को उतार फेंका है, जिसे हम बरसों से पहनकर घूम रहे थे। हम एक ऐसा समाज रहे हैं जो बंद कमरों में, दोस्तों के बीच या इंटरनेट की सर्च हिस्ट्री में सब कुछ देख-सुन लेता है, लेकिन जैसे ही चार लोगों के बीच बैठता है, अचानक 'संस्कृति का रक्षक' बन जाता है।

जेन जी ने जंतर-मंतर पर आकर बस इतना किया कि उन्होंने उस बंद कमरे और चौराहे के बीच की दीवार को ढहा दिया। उन्होंने समाज को आईना दिखाते हुए कहा कि आपकी यह शराफत दरअसल शराफत नहीं, बल्कि एक सामाजिक पाखंड है।

बेशक, नई पीढ़ी के इस बेबाक अंदाज में कभी-कभी लाउडनेस या थोड़ा नाटकीयपन लग सकता है—क्योंकि जब कोई दरवाजा सालों से जाम हो और उसे अचानक खोला जाए, तो थोड़ी आवाज होना स्वाभाविक है। लेकिन उनके इरादे पर शक नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह साबित कर दिया कि असली 'सभ्यता' बातों को छिपाने में नहीं, बल्कि सच को सच कहने की हिम्मत में है।

जंतर-मंतर के इस प्रदर्शन ने देश को एक बहुत बड़ा संदेश दे दिया है।

- सुशांत

डिजिटल क्रांति ने ...

ललित गर्ग

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है। माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणाम-स्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुवि-धाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है। भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव।

जनपद प्रतापगढ़ में अनाथ एवं निराश्रित बच्चों का स्वर्णिम भविष्य गढ़ रही 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना'

प्रदेश में अनाथ, निराश्रित और आर्थिक संकट का सामना कर रहे बच्चों को सामाजिक सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)' का संवेदनशील एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार की यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जो माता-पिता अथवा किसी एक अभिभावक को खो चुके बच्चों के जीवन में नई उम्मीद जगा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संसाधनों एवं आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बीच में न छूटे और उनका भविष्य सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बन सके। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित इस दूरदर्शी योजना के अंतर्गत मार्च-2020 के बाद जिन बच्चों के माता, पिता अथवा दोनों का असमय निधन हो गया है, उन्हें शिक्षा, पोषण और दैनिक आवश्यक-ताओं की पूर्ति के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह धनराशि बच्चों के 23 वर्ष की आयु तक अथवा शिक्षा ग्रहण करने की अवधि तक सीधे लाभार्थी या उनके विधिक अभिभावक के बैंक खाते में पारदर्शी प्रक्रिया (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक प्रगति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले पात्र छात्र-छात्राओं को डिजिटल माध्यमों से अपनी पढ़ाई सुचारू रखने हेतु निःशुल्क टैबलेट अथवा स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त निराश्रित बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य हेतु विवाह योग्य आयु होने पर आर्थिक सहायता का विशेष प्रावधान किया गया है तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच व परामर्श की व्यवस्था भी की जा रही है।

प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपदों में योजना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर आवेदन प्रक्रिया को अत्यंत सरल और सुलभ बनाया गया है ताकि प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पारदर्शी चिह्निकरण और सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक पात्र बच्चे तक योजना का लाभ पहुँचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ में भी महिला कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से योजना का बेहद सफल और प्रभावी क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। जनपद में वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून माह तक 471 नए लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। वर्तमान समय में प्रतापगढ़ जनपद के कुल 2,907 बच्चे इस कल्याणकारी योजना के माध्यम से प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के इस सफल क्रियान्वयन का एक प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद प्रतापगढ़ के टक्करगंज की निवासी और कक्षा-8 की होनहार छात्रा दर्पिता सिंह हैं। दर्पिता के पिता स्वर्गीय प्रदीप सिंह के आकस्मिक और असमय निधन के बाद परिवार पर आर्थिक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। परिवार की दयनीय स्थिति के कारण दर्पिता की माता प्रतिभा वर्मा के सामने बेटी की पढ़ाई जारी रखने और उसके भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा हो गई थी।

आचार्य श्री भिक्षु का 301 वां जन्म दिवस एवं 269 वाँ बोधि दिवस

तेरापन्थ के आद्यप्रवर्तक प्रातः स्मरणीय क्रांतिकारी आचार्य श्री भिक्षु को मेरा कोटिशः वन्दन । स्वामी भीखणजी का जन्म वि.सं. 1783 आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी (1 जुलाई 1726) मंगलवार को हुआ । जब वे गर्भस्थ हुए, माता दीपांजी ने सिंह स्वप्न देखा । जैन परम्परा में इस स्वप्न को बहुत महत्वपूर्ण माना गया हैं । और 14 महास्वप्नों में गिना गया हैं ।कहा जाता है कि गर्भ- धारण-काल में माता द्वारा देखा गया ऐसा स्वप्न किसी महापुरुष के अवतरण का सूचक होता हैं । स्वामीजी के पिता का नाम शाह बल्लूजी था । उन्होंने दो विवाह किये थें । प्रथम पत्नी का नाम लाछड़दे था । उनके पुत्र होलोजी थे । प्रथम पत्नी के दिवंगत होने पर उन्होंने दूसरा विवाह दीपांजी से किया । उनके पुत्र भीखणजी थे । पति- पत्नी दोनों ही अत्यन्त भद्र और धार्मिक प्रकृति के थे । ऐसे माता-पिता की संतान धर्म-निष्ठा तथा सत्यशोधक हो, इसमें कोई आश्चर्य नहीं । स्वामीजी बाल्यकाल से ही अत्यन्त निपुण और कुशाग्र- बुद्धि थें ।स्वामीजी ने भी तत्कालीन पद्धति के अनुसार गुरु के पास साधारण अध्ययन किया । महाजनी हिसाब में वे शीघ्र दक्ष हो गयें ।व्यवहार - बुद्धि भी उनकी बड़ी सजग थी । एक बार बता देने के पश्चात् वे अपना पाठ बहुत शीघ्र याद कर लेते थे । गुरु को उनके लिए विशेष परिश्रम करने की कभी आवश्यकता नहीं पड़ी । आचार्य रूघनाथजी को जब भीखणजी के दीक्षा लेने के विचारों का पता लगा, तो वे स्वयं आकर दीपांबाई को आज्ञा देने के लिए समझाने लगे । आचार्य रूघनाथ जी ने कहा - बहिन ! तुम्हारा स्वप्न सचमुच ही महत्वपूर्ण हैं । मुझे लगता है, तुम्हारा स्वप्न मिथ्या नहीं होगा । दीक्षा लेकर तुम्हारा पुत्र सिंह की तरह गूंजेगा ।अवश्य ही वह भावितात्मा अनगार होगा । आचार्य रूघनाथ जी की वह भविष्यवाणी वास्तव में ही सत्य निकली । स्वामीजी की सिंह- गर्जना ने जैन शासन के सेवकों में पूनः प्राण प्रतिष्ठित कर दिये ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

भारत के ग्रामीण...

रवि यादव, सूचना अधिकारी

ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस पहल

प्रदेश में स्थापित ऊर्जा वन हरित भविष्य

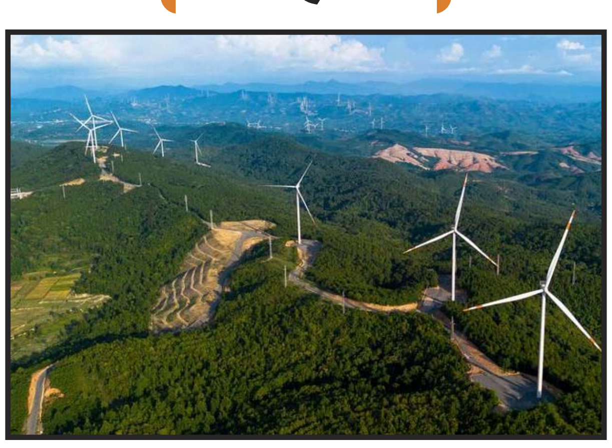

वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीक-रण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत जैसे विशाल ग्रामीण आबादी वाले देश में आज भी बड़ी संख्या में परिवार भोजन पकाने और घरेलू आवश्यकताओं के लिए जलौनी लकड़ी पर निर्भर हैं। इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक वनों पर दबाव बढ़ता है, जिससे वनों का क्षरण, जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव तथा पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत ऊर्जा वन स्थापित करने की अभिनव पहल की है। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है। प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में ऊर्जा वन स्थापित कर सरकार ने भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा पर्यावरणीय संतुलन दोनों को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ी संख्या में परिवार ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग करते हैं। विशेषकर वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों की दैनिक आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा जलौनी लकड़ी पर आधारित है। लगातार बढ़ती मांग के कारण प्राकृतिक वनों से लकड़ी का दोहन बढ़ता है, जिससे वन संपदा पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में जारी रिपोर्ट के अनुसार वनों के निकट रहने वाले ग्रामीण अक्सर जलौनी लकड़ी का उपयोग करते हैं। देश में वन क्षेत्रों के आसपास करोड़ों ग्रामीण निवास करते हैं। जलौनी लकड़ी की मांग अत्यंत व्यापक है और यदि इसका वैकल्पिक एवं नियोजित समाधान विकसित नहीं किया गया, तो भविष्य में प्राकृतिक वनों पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा वनों की अवधारणा एक व्यावहारिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान के रूप में प्रदेश सरकार ने ठोस कदम उठाए है। ऊर्जा वन ऐसे विशेष वृक्षारोपण क्षेत्र हैं, जहां तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण किया जाता है ताकि अपेक्षाकृत कम समय में पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध हो सके। इन वनों का उद्देश्य प्राकृतिक वनों पर निर्भरता कम करना, ग्रामीण क्षेत्रों में जलौनी लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 23 जुलाई 2026 को आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में न्यूनतम एक हेक्टेयर क्षेत्र में ऊर्जा वन स्थापित किए। इस पहल का उद्देश्य भविष्य में जलौनी लकड़ी की आवश्यकता को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना तथा प्राकृतिक वनों को अनावश्यक दोहन से बचाना है। ऊर्जा वनों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनमें ऐसी प्रजातियों का चयन किया जाए जो कम समय में तेजी से विकसित हों तथा पर्याप्त मात्रा में बायोमास उपलब्ध करा सकें। इसी उद्देश्य से ऊर्जा वनों में सिरस, बबूल, सुबबूल, गुटेल तथा कदम्ब जैसी तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण किया गया। इन वृक्षों की विशेषता यह है कि ये अपेक्षाकृत कम समय में विकसित होकर पर्याप्त लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। साथ ही ये विभिन्न प्रकार की जलवायु एवं भूमि परिस्थितियों में भी अच्छी वृद्धि करते हैं। इन प्रजातियों से प्राप्त लकड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन के रूप में उपयोगी होने के साथ-साथ पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी है। ऊर्जा वन स्थापना का अभियान प्रदेश के सभी विकास खण्डों में एक साथ संचालित किया गया। प्रत्येक विकास खण्ड में न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि पर ऊर्जा वन विकसित किए गए, जिससे यह अभियान पूरे प्रदेश में समान रूप से लागू हो सका। इस महाअभियान के अंतर्गत 242.40200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2,81,233 पौधों का रोपण किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए एक व्यापक और योजनाबद्ध कार्यक्रम लागू किया है। ऊर्जा वनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे प्राकृतिक वनों से जलौनी लकड़ी की कटाई की आवश्यकता कम होगी। जब ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकसित ऊर्जा वनों से ईंधन उपलब्ध होगा, तब प्राकृतिक वन अपने मूल स्वरूप में सुरक्षित रह सकेंगे। इससे वनों में रहने वाले वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहेगा, जैव विविधता का संरक्षण होगा तथा वनों की पारिस्थितिकी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

छात्रों ने बैरिकेडिंग धकेली, पुलिस से धक्का-मुक्की ■ 4 शिक्षामंत्रियों के इस्तीफे के लिए नारेबाजी

डिंपल यादव के खिलाफ प्रदर्शन

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में डिंपल यादव के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। उनके साथ अखिलेश यादव, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने इन नेताओं के खिलाफ शर्म करो-शर्म करो के नारे लगाए। उनका कहना था कि जहां भी गैर-एनडीए सरकारें हैं, उन राज्यों में पेपर लीक हो रहे हैं।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव, डिंपल यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेता पंजाब, कर्नाटक, केरल और झारखंड में पेपर लीक पर कुछ नहीं बोल रहे

हैं। यही लोग जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का साथ दे रहे थे। इन नेताओं को अपनी पार्टी या गठबंधन के शिक्षामंत्रियों से इस्तीफा मांगना चाहिए। छात्र प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के गेट से सड़क पर निकलने लगे तो पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हें पकड़ते हुए विश्वविद्यालय अंदर ही रोकने की कोशिश की तो छात्रों ने बैरिकेडिंग भी धकेल दी।

अखिलेश यादव-राहुल गांधी भी आवाज उठाएं : आलोक

छात्र आलोक मिश्रा ने कहा कि आज हम लखनऊ विश्वविद्यालय से यह मांग करते हैं कि जहां भी गैर-एनडीए सरकारें हैं, उन राज्यों में पेपर लीक हो रहे हैं। वहां के शिक्षामंत्रियों को इस्तीफा देना चाहिए।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेता पंजाब, कर्नाटक, केरल और झारखंड में पेपर लीक पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। केरल में कांग्रेस की सरकार है, वहां पेपर लीक हो रहे हैं। झारखंड में इंडी गठबंधन की सरकार है, वहां के शिक्षा मंत्री भी इस्तीफा दें।

डिंपल और केजरीवाल को राज्यों के लिए भी बोलना चाहिए : छात्र

छात्र जतिन शुक्ला ने कहा कि जितने भी विपक्ष के नेता हैं, उन्हें राज्यों के लिए भी बोलना चाहिए। झारखंड, कर्नाटक, केरल में पेपर लीक हुआ तो वहां के लिए भी इन्हें आवाज उठानी चाहिए।

छात्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-1 (आजाद द्वार) पर दोपहर 12 बजे इकट्ठा होकर नारेबाजी करने लगे थे। कुछ पुलिस बल बैरिकेडिंग के बाहर लगा हुआ है तो कुछ अंदर की तरफ से छात्रों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए समझाने की कोशिश कर रहे हैं।

■ छात्र एकता जिंदाबाद पोस्टर के साथ डिंपल यादव, राहुल गांधी, अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर थे।

> छात्र गेट के पास पहुंचकर विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलने पर अड़ गए हैं। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाई है। छात्रों को रोकने की कोशिश कर रही है।

मंगलवार को प्रेरणा दिवस में होगा संपूर्ण समाधान

निष्क्रिय समूह भी रख सकती हैं अपनी बात

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केशव प्रसाद मौर्य की पहल व उनके कुशल मार्गदर्शन मे उत्तर प्रदेश मे महिला सशक्तिकरण व स्वालम्बन की दिशा मे क्रान्तिकारी कदम उठाये जा रहे है। स्वयं सहायता समूहो के माध्यम से महिलाओं को जोड़कर उन्हे विभिन्न गतिविधियों व क्रियाकलापो के माध्यम से न केवल स्वावलम्बी बनाया जा रहा है, बल्कि उन्हे लखपति दीदी की श्रेणी मे लाने के भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। दीदियो को उनके क्रियाकलापो व गतिविधियों मे किसी प्रकार की दिक्कत या अवरोध न आने पाये, उन्हे किसी प्रकार की कठनाई न होने पाये, इस दिशा मे उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य सोच व मन्शा के अनुरूप विकास खण्ड स्तर पर प्रत्येक मंगलवार को ₹प्रेरणा दिवस₹ का आयोजन किया जा रहा है। अरुण कुमार मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण

■ प्रदेश भर में विकासखंड स्तर पर होगा प्रेरणा दिवस का आयोजन

आजीविका मिशन ने बताया कि विकासखंड स्तर पर प्रत्येक महीने के प्रथम मंगलवार को समूह सखी, द्वितीय मंगलवार को बैंक सखी, एफएलसीआरपी (वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्ति) एवं विद्युत सखी, तृतीय मंगलवार को अजीविका सखी एवं उद्योग सखी और चतुर्थ मंगलवार को एफएनएचडब्ल्यू सीआरपी (खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वछता संसाधन व्यक्ति) की समीक्षा बैठक प्रेरणा दिवस के रूप में आयोजित की जा रही है।

फास्ट न्यूज

टीजीटी परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थी बैठाने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक) परीक्षा में असली अभ्यर्थी की जगह फर्जी परीक्षार्थी बैठाने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को हुसैनगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने परीक्षा दिलाने के लिए 15 लाख रुपए में सौदा तय किया था, जिसमें से 7 लाख रुपए बैंक खाते के जरिए फर्जी परीक्षार्थी को भेजे गए थे।

अलग-अलग स्थानों पर 2 युवकों ने सुसाइड किया

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित श्रीनगर कॉलोनी में सोमवार सुबह एक स्विगी डिलीवरी बॉय ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सहादतगंज थाना क्षेत्र में पिता की डांट से नाराज युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। श्रीनगर मड़ियांव निवासी मोहम्मद तौफीक (22) स्विगी में डिलीवरी बॉय का काम करता था। तौफीक अपने माता-पिता और बहन के साथ भगत आटा चक्की के पास रहता था।

16 साल की किशोरी से दुष्कर्म

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र से लापता 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा किया गया और पीजीआई क्षेत्र के एक होटल में ले जाकर उसके साथ 3 दिन तक दुष्कर्म कराया गया। पुलिस के मुताबिक, एक महिला ने 24 जुलाई को तहरीर देकर बताया था कि उसकी 16 साल की ननद 17 जुलाई को बिना बताए घर से चली गई थी।

परियोजनाएं अब कागज पर प्रस्तावों के आधार पर मंजूर नहीं होंगी

■ पर्यटन मंत्री ने 18 मण्डलों की वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा शुरू की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटन के अनुभव को और बेहतर करने के उद्देश्य से पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन और विकास किया जा रहा है। इसको दृष्टिगत रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर अवस्थापना सुविधाओं के सृजन एवं विकास के लिए 119841.10 लाख रुपये की 575 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसके तहत जनपद आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की परियोजना का क्यूरेशन कार्य, जनपद लखनऊ में नवसेना शौर्य संग्रहालय का क्यूरेशन कार्य कराया जा रहा है। इसी प्रकार जनपद फर्रूखाबाद के संकिसा में महोबा में प्लेनिटोरियम का कार्य, सीतापुर के नैमिषारण्य धाम में वेदारण्यम की स्थापना का कार्य, जनपद फिरोजाबाद के समौर बाबा धाम, करहरा हेतु पार्किंग पर्यटन सुविधा केन्द्र तथा अन्य पर्यटन सुविधाओं का सृजन किया जा रहा है। इसी प्रकार बलिया में महर्षि भृगु आश्रम, जनपद बस्ती में भदेश्वर नाथ मन्दिर का पर्यटन विकास, बिजनौर में विदुर कुटी स्थल, कन्नौज में मेंहदी घाट, जनपद कासगंज के सोरों तीर्थ क्षेत्र में पवित्र कुण्ड स्थित घाट का पुर्नविकास एवं सौन्दर्यीकरण, जनपद मथुरा में परिक्रमा मार्ग, मेरठ में हस्तिनापुर का समेकित पर्यटन विकास तथा जनपद संतक-बीरनगर में स्थित तामेश्वरनाथ मन्दिर का पर्यटन विकास कराया जा रहा है।

यह जानकारी सोमवार को प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी।

उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में योगी सरकार

उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने लखनऊ पहुंची हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति

■ हरियाणा के विधायकों ने ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और नवाचारों की सराहना की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था, शैक्षिक गुणवत्ता, विद्यालयी अवस्थापना सुविधाओं तथा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का अध्ययन करने के लिए हरियाणा विधानसभा की उच्चस्तरीय समिति सोमवार को लखनऊ पहुंची। समिति ने अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा और महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ विधानसभा

सभागार में बैठक कर उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधारों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। समिति में हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति के चेयरपर्सन लक्ष्मण सिंह यादव सहित अन्य सदस्यगण शामिल रहे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के द्वारा उत्तर प्रदेश की बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आयामों, विद्यालयी अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, शिक्षक प्रशिक्षण,

हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति ने यूपी के शैक्षिक सुधारों और नवाचारों को बताया उपयोगी एवं अनुकरणीय

आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। ऑपरेशन विद्यालय कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों में स्वच्छ, सुरक्षित और बाल हितैषी वातावरण तैयार किया गया है। वर्ष 2017-18 के बाद विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के विभिन्न मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सुरक्षित पेयजल, बालक-बालिका शौचालय, रनिंग वाटर, हैंडवॉशिंग यूनिट, कक्षा-कक्षों में टाइल्स, विद्युतीकरण, रैंप एवं रेलिंग, भवनों की रंगाई-पुताई, रसोईघर, बाउंड्रीवाल तथा अन्य सुविधाओं में व्यापक स्तर पर संतृप्ति हासिल की गई है।

डिजिटल एवं स्मार्ट शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, व्यावसायिक शिक्षा, निगरानी एवं जवाबदेही की डिजिटल व्यवस्था तथा विभिन्न अभिनव योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया।

> प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जिला खनिज निधि, मनरेगा, विकास प्राधिकरण, कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और सामुदायिक सहभागिता जैसे विभिन्न स्रोतों के माध्यम से विद्यालयों की अवस्थापना सुविधाओं को मजबूत किया गया। प्रदेश में 1.33 लाख विद्यालयों में 19 मूलभूत बाल हितैषी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है।

जौहर यूनिवर्सिटी बचाने विधानसभा तक मार्च की कोशिश, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका

धरने पर बैठे स्वामी प्रसाद मौर्य

■ स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार से शिक्षा संस्थानों को राजनीतिक विवादों से दूर रखते हुए विद्यार्थियों के हित में फैसला लेने की अपील की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण के विरोध में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने सोमवार को लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य समर्थकों के साथ दारूलशफा से विधानसभा तक पैदल मार्च शुरू किया। पुलिस ने बैरिकेडिंग करके थोड़ी दूरी पर ही उन्हें रोक लिया। स्वामी प्रसाद मौर्य अपने समर्थकों के साथ पुलिस बैरिकेडिंग के पास धरने पर बैठ गए। उन्होंने सरकार पर छात्रों के भविष्य के साथ

> स्वामी प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समर्थक दारुलशफा से विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। आरएलडी कार्यालय के बाहर पहले से तैनात पुलिस बल ने बैरिकेडिंग कर मार्च को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर बैठ गए और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार से जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण से जुड़े सभी निर्देश तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान पर इस तरह की कार्रवाई से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता

प्रदेश सरकार पर लगाया कार्रवाई का आरोप

प्रदर्शन के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार सुनियोजित तरीके से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई दंडात्मक है और इसका सबसे बड़ा नुकसान वहां पढ़ने वाले छात्रों को उठाना पड़ रहा है।

है और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचता है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वहां अध्ययनरत छात्रों का भविष्य भी दांव पर लग गया है।

महिलाएं करेंगी सीएलएफ का त्रैमासिक आंतरिक ऑडिट

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का 7 दिवसीय आंतरिक सामुदायिक सीएलएफ ऑडिटर प्रशिक्षण संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आंतरिक सामुदायिक ऑडिटर संकुल स्तरीय संघ का सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण रविवार को क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, बक्शी का तालाब में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में मऊ, महोबा, चित्रकूट, सहारनपुर, बलिया सहित विभिन्न जनपदों की महिलाओं ने भाग लिया।

सीएलएफ आंतरिक ऑडिट का यह प्रशिक्षण मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार की पहल और निर्देशन में आयोजित किया गया।

मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्री अरुण कुमार ने बताया कि, ₹सामुदायिक आंतरिक ऑडिट प्रणाली ग्रामीण महिलाओं के समुदाय आधारित संस्थाओं को केवल वित्तीय अनुशासन ही नहीं, बल्कि स्वावलंबन और सुदृढ़ शासन की नई दिशा दे रही है। पारदर्शी बही-खातों और सटीक जोखिम प्रबंधन के माध्यम से हम इन सामुदायिक संस्थाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारा धन हमारी योजना के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण में महिलाओं को सीएलएफ की बही-खातों, ऋण पुस्तिका, प्राप्ति-भुगतान, आय-व्यय, संपत्ति-दायित्व और ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। संयुक्त मिशन निदेशक श्री प्रवीणानन्द ने बताया कि प्रशिक्षित महिलाएं अब प्रत्येक तीन माह पर संकुल स्तरीय संघ का आंतरिक ऑडिट करेंगी और सीएलएफ को सुदृढ़ बनाने के लिए सुधार के क्षेत्रों को सीएलएफ पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के साथ साझा करेंगी।

आयोजन : व्याख्यानमाला का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक विमर्श करना है-जयवीर सिंह

राज्य संग्रहालय में कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह की पहल पर राज्य संग्रहालय लखनऊ में व्याख्यानमाला 26 जुलाई से 07 अगस्त, 2026 तक आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत कल रविवार को राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी एवं भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास एवं पुरातत्व के प्रख्यात विद्वान डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल की स्मृति में "डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला" का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. के. के. थपल्याल, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास

एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य व्याख्यान में डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा शोध कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रो. वासुदेव शरण अग्रवाल से जुड़े संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि डॉ. अग्रवाल ने भारतीय संस्कृति, कला एवं इतिहास के अध्ययन को नई दृष्टि प्रदान की। उनके शोध कार्यों ने भारतीय परंपराओं, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक निरंतरता को समझने का एक सशक्त आधार निर्मित किया।

डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल की स्मृति में व्याख्यानमाला का अयोजन

उनके साहित्य में दर्शन एवं इतिहास दोनों का समन्वय की प्राप्ति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल केवल इतिहासकार या पुरातत्वविद ही नहीं थे, बल्कि भारतीय संस्कृति के अद्वितीय व्याख्याकार भी थे। उनके साहित्य में दर्शन एवं इतिहास दोनों का समन्वय प्राप्त होता है। उनके लेखन में भारतीय जीवन-मूल्यों, लोकपरंपराओं तथा सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गहरा अनुराग परिलक्षित होता है। प्रो. दीक्षित ने पद्मावत के भाष्य के क्रम में प्रो. अग्रवाल के योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डॉ. अग्रवाल के विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है, जब सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसके वैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

> सर्वप्रथम आमंत्रित अतिथियों एवं निदेशक, राज्य संग्रहालय, लखनऊ ने कारगिल शहीदों को नमन कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। व्याख्यानमाला का उद्देश्य डॉ. अग्रवाल के बहुआयामी योगदान का स्मरण करते हुए भारतीय सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न आयामों पर सार्थक विमर्श को बढ़ावा देना है।

अवनीश अवस्थी युवाओं से बोले- देश सेवा में मेहनत लगेगी

लखनऊ। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) लखनऊ का सोमवार को 42वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। कैंपस स्थित उत्सव हॉल में आयोजित समारोह में पब्लिक पॉलिसी, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में काम करने वाले कई दिग्गज पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने की-नोट स्पीकर के तौर पर छात्र-छात्राओं को एआई पर जानकारी दी। IIM के स्थापना दिवस पर एआई और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर सेमिनार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर सेमिनार किया गया। कार्यक्रम में सीनियर डिजिटल डेवलपमेंट हेड, वर्ल्ड बैंक अरुण शर्मा, सिद्धार्थ मदान, प्रबंध निदेशक एवं पार्टनर, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप - BCG इंडिया, शिवी मिथल रणनीतिक सलाहकार व ऑपरेटिंग पार्टनर, कंटेंटलेंस जैसे विशेषज्ञों ने भविष्य की तकनीकों और डिजिटल बदलावों पर अपने विचार साझा करेंगे।

हर गौवंश पर अब 50 रुपये प्रतिदिन खर्च : धर्मपाल सिंह

प्रदेश में 12 लाख गोवंशों की हो रही देखभाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने गौसंरक्षण को लेकर अपनी योजनाओं का दायरा बढ़ाते हुए सोमवार को प्रदेश में 14 नई गौशालाओं का लोकार्पण किया। इस मौके पर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि राज्य में वर्तमान समय में करीब 12 लाख निराश्रित गौवंश की देखभाल की जा रही है, जिस पर सरकार प्रतिदिन लगभग 8 करोड़ खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गौशालाओं के संचालन के लिए मिलने वाली सहायता राशि भी बढ़ाई है। मंत्री ने बताया कि पिछली सरकार में एक गौवंश के भरण-पोषण के लिए प्रतिदिन 30 की सहायता दी जाती थी, जिसे मौजूदा सरकार ने बढ़ाकर 50 प्रतिदिन कर दिया है। उनके अनुसार, बढ़ी हुई

राशि का उद्देश्य गौशालाओं में पशुओं के लिए बेहतर भोजन, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

धर्मपाल सिंह ने बताया कि सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में 14 नई गौशालाओं का लोकार्पण किया गया। उनका कहना है कि इन गौशालाओं में चारा, स्वच्छ पेयजल, आवास, शेड और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे निराश्रित गौवंश के संरक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

सरकार के मुताबिक, प्रदेश की गौशालाओं में वर्तमान में करीब 12 लाख गौवंश संरक्षित हैं।

उन्नाव में मौत से पहले वीडियो बनाया, पिता बोले- बहू का अफेयर चल रहा था

पत्नी से परेशान पति फंदे पर लटका

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पत्नी और साले से परेशान युवक ने फंदे पर लटककर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले उसने 4 मिनट का एक वीडियो बनाया। इसमें उसने कहा- "मेरी मौत की जिम्मेदार पत्नी और उसकी बुआ का लड़का है। इन लोगों ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी है।"इतना कहने के बाद युवक ने टिनशेड की रॉड पर नायलॉन की रस्सी बांधी और फंदे पर झूल गया। घटना रविवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे सदर कोतवाली क्षेत्र में हुई। घटना के वक्त मृतक के माता-पिता घर के गेट के पास बैठे थे।

थोड़ी देर बाद जब पिता किसी काम से अंदर आए, तो उन्होंने बेटे

को फंदे से लटकता देखा। पास में ही टेबल पर रखे मोबाइल पर उनकी नजर पड़ी, जिसमें रिकॉर्डिंग चल रही थी। उन्होंने तुरंत कैमरा बंद किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतरवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

घटना की सूचना मृतक के ससुरालवालों को भी दी गई, लेकिन वहां से कोई नहीं आया। उन लोगों ने अपने फोन बंद कर लिए। पीड़ित पिता का आरोप है कि बहू का उसके फुफेरे भाई से अफेयर चल रहा था। उनकी तहरीर पर पुलिस ने मृतक की पत्नी, सास, साले, साली और फुफेरे साले के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक, उन्नाव शहर से 9 किलोमीटर दूर

'कहती थी- मर जाओगे तो लाश के ऊपर से गुजर जाऊंगी'

मृतक के चाचा संजय राठौर ने बताया कि बहू अक्सर पवन से झगड़ा करती थी और कहती थी, तुम मर जाओगे तो तुम्हारी लाश के ऊपर से गुजर जाऊंगी। ससुराल वालों के लगातार उत्पीड़न से तंग आकर ही उसने वीडियो में पत्नी और साले को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि वायरल वीडियो और सबूतों के आधार पर सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देकर जेल भेजा जाए।

मगरवारा में सुनील राठौर (60) का मकान है। वह अपनी पत्नी, बेटे पवन राठौर (28), बहू रागिनी (26) और 4 साल की पोती के साथ रहते हैं। सुनील एक जूते की कंपनी में नौकरी कर घर चलाते हैं। उन्होंने 5 साल पहले अपने बेटे पवन की शादी कानपुर देहात के राणे गांव की रहने वाली रागिनी के साथ कराई थी।

पोस्टमार्टम हाउस में शव लेने मृतक के परिजन पहुंचे।

ससुरालवालों की प्रताड़ना से तंग आकर जान दी

वहीं, पिता सुनील ने कोतवाली में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि बहू रागिनी का उसके फुफेरे भाई सूरज राठौर के साथ अफेयर चल रहा था। उसका भाई रवि और बहन सोनी भी पवन को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। इसी प्रताड़ना से तंग आकर बेटे ने यह खौफनाक कदम उठाया।

मगरवारा चौकी प्रभारी रविशंकर पांडे का कहना है-शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। वायरल वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पूरी घटना की हर कड़ी को जोड़कर आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

विंध्य एक्सप्रेसवे विरोध किसानों का धरना जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली में विंध्य एक्सप्रेसवे के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चे का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को 15वें दिन भी जारी रहा। विकास भवन के पास चल रहे इस आंदोलन में किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसान परियोजना को रद्द करने या इसके रोडमैप में बदलाव की मांग कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चे के संयोजक और भारतीय किसान यूनियन के मंडल प्रवक्ता मणि देव चतुर्वेदी ने बताया कि किसान अपनी मांगों पर डटे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान बिना बातचीत के अपनी उपजाऊ जमीन नहीं देंगे, भले ही इसके लिए उन्हें अपनी जान गंवानी पड़े। मोर्चे के घटक संगठन गांव-गांव जनसंपर्क कर चंदौली में एक बड़ी पंचायत आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि सरकार और जन प्रतिनिधियों को किसानों की

चंदौली में परियोजना रद्द करने या रोडमैप बदलने की मांग पर अड़े

समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने उत्तरदायित्वों से मुंह मोड़ रहे हैं, जबकि जनता उन्हें समस्याओं के समाधान के लिए चुनती है।

किसानों ने कहा कि जिले के किसान अब अपनी लड़ाई खुद लड़ने को प्रतिबद्ध हैं। वे सरकार की मनमानी रोकने के लिए खेत की मेड़ पर बैठे हैं और कार्यदायी विभाग यूपीडा (UPEIDA) से वार्ता करना चाहते हैं।

फास्ट न्यूज

नौकरानी ने 5 सेकेंड में चुराया आईफोन

गाजियाबाद । गाजियाबाद में नौकरानी ने घर में रखा आई-फोन चोरी कर लिया। महज 5 सेकेंड में उसने टेबल से आईफोन उठाया और अपने कपड़ों में छिपा लिया। मालिक ने पूछा तो कहा कि मुझे कुछ नहीं पता। फिर मालिक पर ही भड़क गई। फिर वहां से चली गई। मालिक ने घर में काफी ढूंढा, लेकिन फोन नहीं मिला। बाद में उन्होंने CCTV चेक किए। इसमें नौकरानी फोन चोरी करते नजर आई। मालिक ने CCTV के साथ पुलिस को FIR के लिए शिकायत दी।

कानपुर में चौराहे पर सड़क धंसी

कानपुर। कानपुर के कंपनी बाग चौराहे पर सोमवार को अचानक सड़क धंसने से बड़ा गड्ढा हो गया। हादसे के बाद चौराहे के एक हिस्से का यातायात रोकना पड़ा, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जांच में सामने आया कि चौराहे के नीचे से गुजर रही मुख्य सीवर लाइन करीब डेढ़ मीटर तक क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे सड़क की नींव कमजोर हो गई। जलकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रावतपुर से सीसामऊ, वीआईपी रोड होते हुए जाजमऊ तक जाने वाली मुख्य सीवर लाइन कंपनी बाग चौराहे के नीचे से गुजरती है। इसी स्थान से जल निगम की पाइपलाइन भी निकली है।

आगरा में केसरिया जड़ें जमाए रखने की जद्दोजहद

आगरा । आगरा में दो दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका उत्साह बढ़ा गए। 342 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात तो दी ही, भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भी भरा। बड़े से लेकर छोटे नेताओं तक से मुलाकात की। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और आम लोगों के बीच अपनी पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास किया।

बेटा 2 साल, बेटी 4 साल की थी, ललितपुर में पति रोज पीटता था

गोद में बेटा बेटी को लेकर ट्रेन के आगे कूदी मां

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। ललितपुर में पति की पिटाई से नाराज एक 35 साल की महिला ने अपने 2 बच्चों के साथ जान दे दी। वह दोनों बच्चों को गोद में लेकर ट्रेन के आगे कूद गई। तीनों की लाश के टुकड़े रेलवे ट्रैक के आसपास बिखर गए। बेटे की उम्र 2 साल और बेटी की 4 साल थी। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने महिला के पति विक्की यादव को हिरासत में लिया है। घटना सोमवार सुबह 8:30 बजे रणछोड़ रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। वहीं, जान देने से पहले महिला अपने बच्चों को लेकर धौर्रा पुलिस चौकी पहुंची। लेकिन, चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मी सो रहे थे। उसकी

शिकायत नहीं सुनी गई। एसपी संजीव कुमार वाजपेयी ने लापरवाही मानते हुए धौर्रा पुलिस चौकी प्रभारी विनोद कुमार को सस्पेंड कर दिया। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात विक्की नशे में धुत होकर घर पहुंचा। शराब पीने से मना करने पर विक्की ने दीपा को बुरी तरह से पीट दिया। इससे दीपा काफी देर तक रोती रही। उसके अंदर गुस्सा भर गया। सोमवार सुबह जब पति विक्की काम पर चला गया, तब दीपा ने दोनों बेटियों और बेटी को साथ लिया और घर से निकल गई।

पुलिस ने रेलवे ट्रैक से तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

2020 में शादी हुई थी, पति के साथ मायके में रहती थी

धौर्रा गांव में रहने वाली दीपा की शादी 20 जून, 2020 को पास के गांव चंदेरा में रहने वाले पुष्पेंद्र उर्फ विक्की से हुई थी। विक्की मिठाई बनाने का काम करता है। दीपा अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। इसी वजह से शादी के बाद भी वह पति के साथ मायके में ही रहती थी। दीपा और विक्की के 3 बच्चे हैं। इनमें दो बेटियां- शिवांगी (5), शुभांगी (4) और एक बेटा कृष (2) था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दीपा का पति विक्की शराब का आदी है। शराब पीकर वह दीपा और बच्चों से मारपीट करता था, जिससे आए दिन घर में झगड़ा होता था।

20 लाख रुपये तक के जीएमवी पर नहीं लगेगी पेमेंट गेटवे फीस

नए कारोबारों के लिए कैशफ्री पेमेंट्स का बड़ा ऐलान

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। भारत की अग्रणी एआई-आधारित (AI-Native) पेमेंट्स कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स ने नए कारोबारों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, उसके प्लेटफॉर्म पर 31 मार्च 2027 तक साइन-अप करने वाले नए व्यवसायों को पहले 20 लाख रुपये के ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (GMV) तक शून्य प्रतिशत पेमेंट गेटवे फीस का लाभ मिलेगा। यह ऑफर विशेष रूप से शुरुआती चरण और तेजी से बढ़ रहे उन व्यवसायों के लिए तैयार किया गया है, जो ऑनलाइन माध्यम से अपनी बिक्री बढ़ाना चाहते हैं। कंपनी का कहना है कि त्योहारी सीजन से पहले यह पहल छोटे और मध्यम व्यवसायों (SMBs) तथा डायरेक्ट-टू-कंज्यू-

मर (D2C) ब्रांड्स को अतिरिक्त वित्तीय राहत प्रदान करेगी। आमतौर पर इसी अवधि में छोटे कारोबारियों की सबसे अधिक बिक्री होती है, लेकिन डिस्काउंट, ऑफर्स और अन्य परिचालन खर्चों के कारण उनका लाभांश प्रभावित होता है। ऐसे में पेमेंट गेटवे फीस पूरी तरह समाप्त कर कंपनी व्यापारियों को अधिक नकदी और बेहतर मार्जिन उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है, ताकि वे इन्वेंट्री, विज्ञापन और लॉजिस्टिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश कर सकें। कैशफ्री पेमेंट्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) आकाश सिन्हा ने कहा कि औसतन किसी भी एसएमबी या डी2सी व्यवसाय की करीब 40 प्रतिशत वार्षिक बिक्री त्योहारी सीजन के दौरान होती है। उन्होंने बताया कि कंपनी के विश्लेषण के अनुसार, त्योहारों से पहले जुड़ने वाले लगभग 90 प्रतिशत नए व्यापारी पूरे सीजन में 20 लाख रुपये से कम का जीएमवी दर्ज करते हैं। ऐसे में यह योजना उनके पूरे त्योहारी कारोबार को प्रभावी रूप से कवर करती है और उन्हें अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य प्रत्येक छोटे व्यवसाय को ऐसा मजबूत प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जिससे वह बिना अतिरिक्त वित्तीय बोझ के अपने कारोबार का विस्तार कर सके।

संतकबीर नगर में घर के बाहर बैठे थे, 60 की स्पीड में ट्रक कुचलता चला गया

दादा-दादी, नाती-पोते को ट्रक ने रौंदा, चारों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। यूपी के संतकबीरनगर में सोमवार सुबह एक परिवार के 4 लोगों को ट्रक ने रौंद दिया। ये सभी घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक आया। चारपाई पर बैठे दादा-दादी, नाती और पोते को रौंदता हुआ घर में घुस गया। ट्रक की रफ्तार करीब 60 किमी थी। ऐसे में किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक हटवाकर दबे हुए शवों को बाहर निकाला।

हादसा सुबह 5:30 बजे बस्ती-खलीलाबाद हाइवे पर जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर

दूर हुआ । इसमें लालजी (62), उनकी पत्नी ज्ञानमती (60), पोते आदर्श (12) और नाती सत्यम (6) की मौत हो गई। शुरुआती जांच में हादसे की वजह ड्राइवर को झपकी आना माना जा रहा है। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए।

खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के कुर्थिया चौराहे के पास हाईवे के किनारे लालजी पुत्र गनपत का दो कमरे का मकान है। मकान में आगे की ओर टीनशेड लगा रखा है। परिवार में पत्नी ज्ञानमती के अलावा बेटा अनिल, बहू लक्ष्मी और पोता आदर्श था। बड़ी बेटी प्रेमलता की शादी राजेश निवासी पकरी आराजी, थाना दुधारा के साथ हुई है।

ट्रक को पुलिस ने क्रेन की मदद से बाहर निकाला और कब्जे में ले लिया।

परिवार बोला- लाश के बदले लाश चाहिए

प्रेमलता ने बताया- मैं घर के पास ही हैंडपंप पर पानी लेने गई थी। तभी हादसा हो गया। पापा की शव के टुकड़े जमीन से चिपक गए। ट्रक ड्राइवर नशे में था। सुबह-सुबह शराब पीकर कौन गाड़ी चलाता है। उसने मेरे परिवार को मारा है। वो हत्यारा है। मुझे मेरे बच्चों की लाश के बदले उसकी लाश चाहिए। गाड़ी के मालिक को मौके पर बुलाया जाए।

ताजमहल पर बंदर ने कोरिया की पर्यटक को काटा

एक घंटे तक दर्द से तड़पती रहीं, एंबुलेंस नहीं पहुंची

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में ताजमहल पर एक बंदर ने कोरिया की महिला पर्यटक पर हमला कर दिया। बंदर ने पर्यटक के हाथ में काट लिया। उसके हाथ से खून की धारा बह निकली। करीब एक घंटे तक पर्यटक को एंबुलेंस नहीं मिली। वह दर्द से तड़पती रही।

तब महिला के साथी ने वहां पर मौजूद लोगों से पूछा कि व्हेयर वी गो? इसके बाद घायल महिला पर्यटक को ताजमहल में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार किया गया। एंबुलेंस नहीं आने पर पर्यटक को बैटरी कार बुलाकर शांति मांगलिक अस्पताल भेजा गया।

महिला पर्यटके दर्द से तड़पने का वीडियो सामने आया है। वहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने लापरवाही बरतने वाले एंबुलेंस चालक के विरुद्ध

सीएमओ को रिपोर्ट भेजी है।

रिपब्लिक आफ कोरिया की किम मेह अपने साथी के साथ रविवार सुबह करीब 7 बजे ताजमहल देखने पहुंची थीं। उन्होंने आनलाइन टिकट बुक करा रखी थीं। किसी ने उन्हें विदेशी पर्यटकों के लिए शू कवर और पानी की बोतल टिकट विंडो के पास स्थित काउंटर से निशुल्क मिलने की जानकारी दी।

किम का साथी टिकट विंडो पर शू-कवर और पानी की बोतल लेने चला गया। जबकि किम मेह सीढ़ियों के पास खड़े होकर इंतजार कर रही थीं। अचानक आए बंदर ने किम के दाएं हाथ में काट लिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

सरकार की ...

इसके बाद वे लद्दाख रवाना होंगे। उससे पहले वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट गए। वांगचुक ने शुक्रवार देर रात अपना 26 दिन का अनशन खत्म किया था।

इधर, एफआईआर वापस लेने में देरी पर CJP ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि सरकार और आंदोलनकारियों के बीच हुई सहमति का पालन नहीं किया जा रहा है.

उन्होंने दावा किया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को हिरासत में लिया गया है, जबकि दिल्ली समेत कई राज्यों में आंदोलन से जुड़े छात्रों की निगरानी और कथित उत्पीड़न किया जा रहा है.

रांका ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर तत्काल वापस ली जाएं, गिरफ्तार छात्रों को रिहा किया जाए और भविष्य में किसी भी छात्र के खिलाफ नए मामले दर्ज न किए जाएं. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो CJP दोबारा आंदोलन शुरू करने को मजबूर होगी. उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि कानूनी मामलों को लेकर हुए समझौते की लिखित प्रति सार्वजनिक की जाए और उसके क्रियान्वयन की स्पष्ट समय-सीमा घोषित की जाए.

गौरतलब है कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान प्रदर्शन हिंसक हो गया था. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था. वहीं, कुछ वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारियों पर पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की और हमला करने के भी आरोप लगे थे.

पेपरलीक बिल पर ...

जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते।

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली बाहर संसद पहुंचे। NDA सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और संसद भवन के अंदर तक ले गए।

सांसदों ने 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। प्रधान ने NEET पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था।

सरकार ने यह संशोधन NEET पेपर लीक विवाद और देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बाद लाया है। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को कानून को और सख्त बनाने का ऐलान किया था। बाद में इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, 'हम चर्चा से डरने वाले नहीं हैं। मैं चाहता हूं कि अमित शाह को सदन में आना चाहिए और बताना चाहिए लाठीचार्ज क्यों करवाया।'

27 हजार से अधिक ...

सपा ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा प्रभावित मतदाताओं को नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने की मांग की है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से यह ज्ञापन मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि समय रहते त्रुटियों को ठीक नहीं किया गया तो वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में हजारों मतदाताओं को मतदान के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सपा के अनुसार, अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र के सभी 448 मतदान केंद्रों की मतदाता सूची का सत्यापन करने पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम में अतिरिक्त सरनेम जोड़ दिए गए हैं या पहले से दर्ज सरनेम हटा दिए गए हैं। इसी प्रकार कई मतदाताओं के रिश्तेदारों के नाम में भी बदलाव किए गए हैं, जबकि संबंधित मतदाताओं के ईपिक (EPIC) नंबर पहले जैसे ही बने हुए हैं। सपा ने कुछ मामलों में मतदाता और उसके रिश्तेदार के नाम अलग-अलग धर्मों से संबंधित दर्ज होने का भी मुद्दा उठाया है। पार्टी ने इसे गंभीर त्रुटि बताते हुए ऐसे सभी मामलों की जांच कराकर मतदाता सूची को शुद्ध कराने की मांग की है।

प्रदर्शन पर पुलिस की ...

अब कोर्ट मंगलवार को सभी याचिकाओं पर एकसाथ सुनवाई करेगा।

याचिकाओं में आरोप है कि NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च से जुड़ी हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे।।

इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हुए।

'एसआईटी में सीए ...

कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की है। SIT को निर्देश दिया है कि वह दो हफ्ते के भीतर अपनी जांच की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। अब अगली सुनवाई में कोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई पर फैसला करेगा। कोर्ट ने 20 जुलाई को यूपी सरकार को नए सिरे से विशेष जांच टीम (SIT) गठित करने का आदेश दिया था और अब तक हुई जांच की रिपोर्ट मांगी थी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के सभी आठों आरोपियों की आज एंटी करप्शन कोर्ट में पेशी होगी। सुरक्षा कारणों की वजह से पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराई जाएगी। आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू', अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, मनीष यादव और रिटायर्ड बैंक कर्मी सुभाष श्रीवास्तव फिलहाल जेल में हैं। सीनियर वकील देवदत्त कामतः लोगों ने 500 या 1000 रुपये दिए हैं। आखिरकार, वह पैसा ट्रस्ट तक नहीं पहुंचा। ट्रस्ट को जो भी मिला है, उसे वेबसाइट पर दिखाया जा सकता है ताकि लोगों को पता चल सके कि उनका पैसा पहुँच गया है। यह कोई टकराव वाला मामला नहीं है।

देश में जल्द चलेंगे 10 ...

फिलहाल यह एक ट्रायल यानी पायलट प्रोजेक्ट है। RBI की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट की सप्लाई के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया है, जिसमें बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त तय की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने, कच्चा माल मिलने और छपाई के बाद ही यह नोट अलग-अलग चरण में बाजार में देखने को मिलेंगे। यदि यह ट्रायल सफल रहता है, तो आगे और भी नोट पॉलीमर में छापे जाएंगे। RBI की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने कुछ दिनों पहले ही ग्लोबल लेवल पर 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EOI) जारी किया। यह टेंडर विशेष प्रकार की 'पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट' की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए मंगाया गया है, जिसका इस्तेमाल इन नोटों को छापने के लिए किया जाता है।

भारत को कॉमनवेल्थ ...

हालांकि, डिडीह ने 113 kg उठाकर 206 kg के कुल वजन के साथ गोल्ड अपने नाम कर लिया।

भारत अब मेडल टैली में आठवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 17 गोल्ड सहित 39 मेडल के साथ पहले स्थान पर है। इससे पहले रविवार को मीराबाई चानू ने महिला 48 kg वर्ग में 190 किलोग्राम (85+105) वजन उठाकर भारत को गेम्स का पहला गोल्ड दिलाया था। वहीं ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा) और राजा मुथुपांडी (65 किग्रा) सिल्वर जीत चुके हैं। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

वैभव प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

हरारे, एजेंसी

भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटर-नेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए।

हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं। सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे। टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है। वे औसतन हर 5.21 बॉल पर छक्का लगाते हैं। बाकि खिलाड़ियों का रेशियों 7 से ऊपर है।

सूर्यवंशी ने 81 रन की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय

सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

अभिषेक एक सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर

अभिषेक शर्मा ने इस सीरीज में सिर्फ 11 रन बनाए। वे तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर बन गए हैं। उन्होंने शिखर धवन का अनचाहा रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 19 रन बनाए थे।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता

सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

> सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया 3-0 से टी-20 सीरीज जीती

वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए, मयंक यादव को 3 विकेट

हरारे, एजेंसी

भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी।

भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन (29) ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी संभाली। ईशान के आउट होने के बाद वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की। भारत ने तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। 193 रन का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। रयान बर्ल ने 43 गेंदों में 54 रन बनाए। जिम्बाब्वे को 18वें ओवर की पहली ही गेंद पर छठा झटका लगा। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने तडिवानाशे मारुमानी को बोल्ड कर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट हासिल किया।

वैभव प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज

वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने तीन मैचों में 151 रन बनाए। मैच के बाद वैभव ने कहा कि हरारे पहुंचने के बाद टीम ने दो-तीन दिन अच्छी तैयारी की थी और उन्हें यहां खेलना हमेशा पसंद है।

वैभव ने कहा, मेरा लक्ष्य हर मैच में टीम को तेज शुरुआत दिलाना था। अगर अच्छी शुरुआत मिल जाए तो पारी को बड़ा बनाने की कोशिश करता हूं। दोनों अवॉर्ड को वैभव ने सपना सच होने जैसा पल बताया।

मां-बहनों ने मजदूरी की, भाई ने कर्ज लिया, पिता को कैंसर हुआ लेकिन प्रैक्टिस नहीं रुकी

ऋषिकांत के सिल्वर के पीछे परिवार का संघर्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में रविवार को ऋषिकांत सिंह ने कुल 264 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता। वहीं, हजारों किलोमीटर दूर राजस्थान के बाड़मेर में उनके बड़े भाई अमरजीत सिंह टीवी पर हर लिफ्ट देख रहे थे। जैसे ही ऋषिकांत का मेडल पक्का हुआ, अमरजीत की आंखें भर आईं।

यह सिर्फ जीत की खुशी नहीं, बल्कि 15-16 साल के उस संघर्ष की याद थी, जिसमें पूरे परिवार ने ऋषिकांत के सपने पूरा करना ठाना था। मां और दोनों बहनों ने दूसरे के खेतों में मजदूरी की, बड़े भाई ने दोस्तों से कर्ज लेकर उनकी डाइट और प्रतियोगिताओं का खर्च उठाया। पिता को ब्लड कैंसर होने के बाद भी परिवार ने ऋषिकांत से इलाज के लिए पैसे नहीं लिए, ताकि उनकी तैयारी प्रभावित न हो।

ऋषिकांत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में वेटलिफ्टिंग में सिल्वर जीता है।

ऋषिकांत के बड़े भाई चनंबम अमरजीत सिंह भारतीय सेना में हैं और राजस्थान के बाड़मेर में तैनात हैं। बताते हैं कि 2007-08 में गांव के एक शिक्षक ने मणिपुर सरकार की स्पोर्ट्स अकादमी के बारे में जानकारी दी। उस समय ऋषिकांत छठी कक्षा में पढ़ते थे और बॉक्सिंग करना चाहते थे। परिवार उन्हें ट्रायल दिलाने ले गया, लेकिन अकादमी के कोचों ने उनकी क्षमता देखकर वेटलिफ्टिंग के लिए चुन लिया। यहीं से उनके खेल सफर की शुरुआत हुई। जब पहली बार ऋषिकांत का चयन जूनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ, तब परिवार के पास पैसे नहीं थे। अमरजीत कहते हैं, 'हमने दोस्तों से कर्ज लेकर उन्हें पैसे दिए, ताकि वह भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें। बाद में भी कई बार उनकी तैयारी और डाइट के लिए दोस्तों से उधार लेना पड़ा।'

> अमरजीत बताते हैं कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। पिता शराब की लत से जूझ रहे थे और घर की जिम्मेदारी मां पर थी। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। जब ऋषिकांत ने नॉर्थ-ईस्ट की एक प्रतियोगिता में पहला मेडल जीता, तभी परिवार ने तय कर लिया कि हर हाल में उन्हें आगे बढ़ाना है।

अपने परिवार के साथ सेल्फी लेते हुए ऋषिकांत सिंह।

'मां और बहनों ने खेतों में मजदूरी की'

अमरजीत ने बताया, '2009 से 2012 तक सबसे कठिन दौर था। मैं, मां और दोनों बहनें दूसरे के खेतों में मजदूरी करते थे, ताकि ऋषिकांत की डाइट और बाकी खर्च पूरे हो सकें। हॉस्टल में खाना मिल जाता था, लेकिन वेटलिफ्टिंग के लिए अतिरिक्त सप्लीमेंट की जरूरत पड़ती थी। जितना बन पड़ता, हम उनकी हर जरूरत पूरी करते थे।' ऋषिकांत जब घर पर होते थे, वो हम सभी के साथ मजदूरी करने जाते थे।

मनोरंजन

शादी के सवाल पर भड़कीं जैस्मीन भसीन

कहा- लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए, जब होनी होगी तब पता चल जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

टीवी एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन जल्द ही रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रोहित शेट्टी के होस्ट वाले इस शो के प्रीमियर से पहले जैस्मीन ने एक इंटरव्यू में अपनी शादी की अफवाहों और लगातार पूछे जाने वाले सवालों पर दो टूक जवाब दिया है।

लंबे समय से एक्टर अली गोनी को डेट कर रहीं जैस्मीन ने कहा कि उनकी शादी से किसी का कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। न तो कोई कैटरिंग का बिल भर रहा है और न ही डेकोरेशन का खर्च उठा रहा है। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में जैस्मीन भसीन से जब अलि गोनी संग शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी असहमति जताई। जैस्मीन ने कहा, मुझे लगता है कि किसी को इससे क्या लेना-देना। न तो आपने कैटरिंग का बिल भरना है और न ही शादी की डेकोरेशन का खर्च उठाना है। जब शादी करनी होगी, तब कर लेंगे। लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए। जैस्मीन ने आगे कहा कि जब भी शादी होगी, सबको अपने आप पता चल जाएगा। यह उनका निजी फैसला है और किसी और को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए।

जैस्मीन भसीन और अली गोनी टीवी इंडस्ट्री के चर्चित जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की प्रेम कहानी रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' के दौरान शुरू हुई थी। शो में दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और उन्होंने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। बिग बॉस के घर से निकलने के बाद भी दोनों कई म्यूजिक वीडियोज में साथ दिखे हैं और लगातार एक-दूसरे के साथ हैं।

'शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं'

जैस्मीन ने लोगों की इस उत्सुकता पर चुटकी लेते हुए कहा कि कभी-कभी उन्हें इन बातों पर हंसी आती है। उन्होंने कहा, ₹मुझे समझ नहीं आता कि लोग मेरी पर्सनल लाइफ में इतने इंटरेस्टेड क्यों हैं। शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि हम क्यों खुश हैं, हमें भी शादी करके परेशान होना चाहिए। जैस्मीन ने कहा कि कुछ लोगों की मानसिकता ऐसी होती है कि वे बार-बार ऐसे सवाल पूछकर दूसरों को परेशान देखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसे सवालों पर जवाब न देने का मन बनाया हुआ है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से कर रही हैं वापसी

पर्सनल लाइफ के अलावा जैस्मीन भसीन अपने प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में हैं। वे कलर्स टीवी के पॉपुलर स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आने वाली हैं। यह शो 1 अगस्त से ऑन-एयर हो रहा है। रोहित शेट्टी इस शो को होस्ट कर रहे हैं। जैस्मीन इससे पहले भी टीवी के कई बड़े रियलिटी शोज और फिक्शन ड्रामा में काम कर चुकी हैं।

मंदाकिनी का वो गाना, जो बना पहाड़ों की 'पहचान'

दिल को सुकून देता है पुराना लव सॉन्ग

नई दिल्ली। मंदाकिनी हिंदी सिनेमा की वह खूबसूरत अदाकारा रहीं, जो अपने जमने में सबसे ज्यादा ब्यूटीफुल और फिल्ममेकर्स की बतौर एक्ट्रेस पहली पसंद मानी जाती थीं। मंदाकिनी के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म राम तेरी गंगा मैली रही, जिसमें वह अभिनेता राजीव कपूर संग नजर आई थीं।

राम तेरी गंगा मैली एक लव स्टोरी ड्रामा फिल्म थी, जिसके सारे गाने अपने आप में कल्ट रहे। लेकिन एक गीत ऐसा भी रहा, जो पहाड़ों की पहचान माना जाता है। आइए जानते हैं कि यहां कौन से गीत के बारे में जिक्र किया जा रहा है। निर्देशक राज कपूर के फिल्ममेकिंग करियर की सबसे बेहतरीन मूवीज की जब भी बात की जाएगी तो उसमें राम तेरी गंगा मैली का नाम जरूर शामिल होगा। साल 1985 में रिलीज होने वाली इस मूवी में मंदाकिनी पर एक गीत फिल्माया गया था, जो खूबसूरत वादियों और झरनों के बीच रहा।

जी हां आज 41 साल बाद भी मंदाकिनी का हुस्न पहाड़ों का गाना खूब सुना जाता है। और एक प्यार भरे गाने के तौर पर ये श्रोताओं क दिलों को सुकून पहुंचाता है।

मस्ट वॉच निकली सरकारी स्कूली ड्रामा थ्रिलर, ओटीटी पर कब्जा जमाए हुए ये सीरीज

सात एपिसोड वाली नई वेब सीरीज ओटीटी पर बनी टॉपर

नई दिल्ली। ओटीटी पर लेटेस्ट फिल्में और वेब सीरीज देखना सिनेप्रेमियों को काफी पसंद आता है। हाल ही में ओटीटी पर एक ऐसी ही मोस्ट अवेटेड सीरीज को रिलीज किया गया है, जिसने आते ही कि दर्शकों के दिलों को जीत लिया है। अपनी कॉमेडी से भरपूर कहानी के चलते इस वेब सीरीज की चर्चा हर तरफ हो रही है। जिसकी वजह से जिस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 7 एपिसोड वाली इस सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, वहां पर वह नंबर-1 के स्थान पर ट्रेंड कर रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि यहां कौन सी वेब सीरीज के बारे में जिक्र किया जा रहा है। इस वेब सीरीज का नाम है- आदर्श बाल विद्यालय (Adarsh Baal Vidyalaya)। जी हां अभिनेता के के मेनन स्टारर ड्रामा कॉमेडी सीरीज ने जनता का दिल जीत लिया है और इसी वजह से ये सीरीज फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर नंबर-1 की कुर्सी पर ट्रेंड कर रही है। बात की जाए सीरीज के जॉनर के बारे में तो ये इसके टाइटल से साफ पता चलता है कि यह एक स्कूली ड्रामा थ्रिलर है। आदर्श बाल विद्यालय में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल की कहानी को दिखाया गया है, जहां का स्टूडेंट्स काफी उत्पाती हैं। इस स्कूल के एक हेड मास्टर हैं, जिनकी बच्चों के साथ काफी बनती है। स्कूल का प्रिंसिपल उस हेडमास्टर को ये जानकारी देता है कि अगर 10वीं की कक्षा का रिजल्ट अच्छा जाएगा तो तुमको कैम्ब्रिज जाने का मौका मिलेगा। बस इसी के इर्द-गिर्द पूरी सीरीज की स्टोरी घूमती है।

के के मेनन की लेटेस्ट वेब सीरीज आदर्श बाल विद्यालय एक मस्ट वॉच सीरीज बन गई है। इसका अंदाजा आप वेब सीरीज की आईएमडीबी रेटिंग को देखकर आसानी से लगा सकते हैं, जो फिलहाल 8.3/10 है।

इस सीरीज ने जीता जनता का दिल

भारत के सबसे चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म के बारे में बात की जाए तो उसमें नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो का नाम शामिल होता है। हर वीकेंड इन दोनों की प्लेटफॉर्म पर एक से बढ़कर एक सीरीज और फिल्म को रिलीज किया जाता है। फिलहाल यहां बात प्राइम वीडियो (Prime Video) के बारे में की जा रही है, जिस पर एक 7 एपिसोड वाली नई सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है।

सलमान-शाह रुख संग किया काम अक्षय की भी बनीं हीरोइन

हिंदी फिल्में छोड़ साउथ में हुईं सैटल, अब हैं ड्रामा टीचर

नई दिल्ली। सिनेमा में हर कलाकारों को मन ही मन एक डर सताता है कि कहीं वह टाइपकास्ट न हो जाए और अगर एक बार वे टाइपकास्ट हो गए तो उन्हें अलग-अलग किरदार मिलना मुश्किल हो जाता है। 90s की एक पॉपुलर एक्ट्रेस के साथ भी ऐसा ही हुआ। सलमान खान, शाह रुख खान और अक्षय कुमार जैसे अभिनेताओं के साथ काम कर चुकीं एक्ट्रेस ने एक रोज अचानक सिनेमा को गुडबाय कह दिया था। सनम बेवफा से डेब्यू करने वाली यह अदाकारा 90s की कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आईं। हिंदी फिल्मों के अलावा साउथ में भी काम किया। मगर जब उन्हें मनचाहा काम नहीं मिला तो उन्होंने एक्टिंग से हटकर दूसरे फील्ड में करियर बनाने का फैसला किया। जिस अदाकारा के बारे में हम बात कर रहे हैं, वो हैं कंचन (Kanchan)। सलमान खान की फिल्म में हीरोइन की सहेली का किरदार निभाने वालीं कंचन सिनेमा में आने से पहले मॉडल थीं। एक्टिंग में उनकी दिलचस्पी पहले से ही थी। फिर एक रोज फिल्ममेकर सावन कुमार तक की उन पर नजर पड़ी और सनम बेवफा में कास्ट कर लिया। इस फिल्म से कंचन को सफलता तो मिली, लेकिन साथ में टाइपकास्ट भी हो गईं। सनम बेवफा के बाद उन्हें बैक-टू-बैक फिल्में मिलीं, लेकिन कभी बहन की भूमिका में तो कभी सहेली और खलनायक की बेटी के रूप में। वह दो हंसों का जोड़ा, औलाद के दुश्मन, शबनम, क्रांति क्षेत्र, अमानत, पांडव, कुली नंबर 1, जुर्माना, आर्मी, इतिहास और मोहब्बत और जंग जैसी फिल्मों का हिस्सा बनीं। करीब 7 सालों तक लगातार बॉलीवुड में काम करने के दौरान वह एक ही तरह के किरदार करके थक गई थीं।

ईरान को फिर धमकी दी, खार्ग आइलैंड पर अटैक की एआई तस्वीर शेयर की

अमेरिका के पास हथियारों की कोई कमी नहीं : ट्रम्प

तनाव

तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ तनाव के बीच अमेरिका के हथियार खत्म नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारे पास दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार हैं, जरूरत से भी ज्यादा।"

ट्रम्प का यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के साथ लगातार टकराव की वजह से अमेरिका के पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार घट रहा है।

बयान के तुरंत बाद ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कई AI तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में ईरान के सबसे बड़े तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर हवाई हमला दिखाया गया। इसके साथ उन्होंने लिखा- ₹स्ट्राइक ऑन खार्ग"।

इसके बाद उन्होंने कुछ और AI तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें एक ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी झंडा नजर आ रहा है। एक दूसरी तस्वीर में जहाज को उड़ता हुआ दिखाया गया, जिसके साथ लिखा था- "नो मोर इंजन्स"। ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने एक जहाज पर हुए यूक्रेनी हमले के बाद कड़ी धमकी दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस कार्रवाई के बाद अब उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन का हमला पूरी तरह गैरकानूनी और अनुचित था। उन्होंने इसे खतरनाक दुस्साहस बताया।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका रवाना होंगे, जहां उनकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात होगी। दोनों नेताओं की यह जंग के बाद पहली आमने-सामने की बैठक होगी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि दुनिया में तेल और गैस की कीमतें बढ़ते ही अमेरिका बातचीत करने लगता है। युद्ध शुरू होने पर अमेरिका को लगा था कि ईरान तीन दिन में टूट जाएगा और हार मान लेगा। लेकिन कई महीने बाद भी ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, "अब कई महीने बीत चुके हैं। अमेरिका वहीं फंसा हुआ है और अपने किए पर गर्व कर रहा है।"

ट्रम्प ने ईरान के खार्ग आइलैंड पर हमले की एआई तस्वीर शेयर की

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ईरान के सबसे बड़े तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर हमले की AI से बनाई गई तस्वीर शेयर की। तस्वीर में लड़ाकू विमान ऑयल फैसिलिटी पर बमबारी करते दिख रहे हैं। ट्रम्प ने इसके साथ ₹STRIKE ON KHARG₹ लिखा।

अमेरिका के लिए रवाना हुए इजराइली पीएम नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। वे वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच गाजा युद्ध, ईरान और पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर बातचीत होने की उम्मीद है।

इजराइल सरकार ने बताया कि नेतन्याहू ट्रम्प के न्योते पर अमेरिका जा रहे हैं। दोनों देशों से जुड़े दूसरे अहम मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

ईरान जंग के 5 महीने पूरे, ट्रम्प वेनेजुएला की तरह कामयाब नहीं हो पाए

ईरान जंग के आज 5 महीने पूरे हो रहे हैं। 28 फरवरी को ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य अभियान शुरू करते हुए दो बड़े मकसद तय किए थे। पहला, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तेजी से खत्म करना और दूसरा, वहां की मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाना। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक उस समय ट्रम्प को भरोसा था कि ताकत के दम पर अमेरिका दोनों मकसद जल्दी हासिल कर लेगा। लेकिन पांच महीने बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। ईरान का न तो परमाणु कार्यक्रम खत्म हुआ और न ही वहां सत्ता परिवर्तन हो सका। ट्रम्प को उम्मीद थी कि वह ईरान में भी 'वेनेजुएला मॉडल' लागू कर पाएंगे, यानी ऐसी सरकार स्थापित कर देंगे जो अमेरिका के लिए अनुकूल हो। हालांकि अब अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि तेहरान में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान से वैसी सफलता मिलने की संभावना नहीं है। यही वजह है कि ट्रम्प दोबारा बड़े सैन्य अभियान शुरू करने से बचते नजर आ रहे हैं।

ईरान ने बुल्गारिया को अमेरिकी विमान तैनात करने पर धमकी दी

ईरान ने बुल्गारिया को अमेरिकी वायुसेना के विमान तैनात करने के फैसले पर कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि बुल्गारिया के नेताओं को इस फैसले की कीमत चुकानी पड़ेगी और उन्हें इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। बघाई ने आरोप लगाया कि अगर बुल्गारिया अपने यहां अमेरिकी विमान तैनात करता है, तो वह अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई का साझेदार माना जाएगा।

अफगानिस्तान में 'अफीम संकट' 95% तक घट गई खेती

काबुल। जमीन और नशे के लिए दुनिया में हमेशा लड़ाइयां हुईं हैं। कभी ट्रॉय के लिए हजारों जहाज भेजे गए, तो कभी ब्रिटेन ने चीन से अफीम बेचने के लिए 2 युद्ध लड़ लिए। चीन की हार हुई और 100 साल तक अफीम का अपना बाजार खो बैठा। अब अफगानिस्तान ने उल्टा काम किया।

2022 में तालिबान के मुखिया मुल्ला हैबतुल्लाह अखुंदजादा ने पूरे देश में अफीम की खेती पर बैन लगा दिया। तालिबान के अफीम पर बैन लगाने का असर तुरंत दिखाई दिया। UN की रिपोर्ट के मुताबिक 1 साल में अफीम की खेती 95 प्रतिशत तक गिर गई।

2022 में 2,33,000 हेक्टेयिर में खेती होती थी, जो 2023 में घटकर सिर्फ 10,800 हेक्टेयर रह गई। पहले अफगानिस्तान दुनिया की 80-90 प्रतिशत अफीम और यूरोप की 95 प्रतिशत हेरोइन सप्लाई करता था। तो लगा कि अब हेरोइन खत्म हो जाएगी। पर ऐसा नहीं हुआ।

आईटी विभाग आम लोगों को परेशान न करे : वित्त-मंत्री

अपनी ताकत से डराएं नहीं जनता की भलाई के लिए काम करें

मुंबई, एजेंसी

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स विभाग को आम जनता की भलाई के लिए काम करने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने अफसरों से कहा कि आम लोगों को अपने काम के लिए एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के चक्कर न कटवाएं। सीतारमण रविवार, 26 जुलाई को मुंबई के नरीमन पॉइंट बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' इमारत का उद्घाटन करने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने यह बातें कही हैं। वित्त मंत्री ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इंडियन रेवेन्यू सर्विस (IRS) अधिकारियों को खुद 1.13 लाख स्क्वायर फीट में बनी इस 13 मंजिला इमारत के निर्माण और अनुमतियों यानी क्लीयरेंस के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी।

सीतारमण ने अधिकारियों को याद दिलाया कि एक IRS अफसर के नाम के पीछे आयकर विभाग का नाम जुड़ा होता है, जो लोगों को डराने के लिए एक शक्तिशाली ताकत जैसा काम करता है। उन्होंने कहा कि जब इतनी पावरफुल बॉडी होने के बावजूद अफसरों को खुद अनुमतियां लेने के लिए दर-दर भटकना पड़ा, तो उन्हें समझ आना चाहिए कि एक आम नागरिक को किस तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ता होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि क्या यह अनुभव आपको उस आम नागरिक की स्थिति समझने के लिए प्रेरित कर सकता है जो आपके पास आता है? जहां आपके अधिकार की जरूरत है, वहां उन्हें दर-दर मत भटकाइए; उनके लिए काम कीजिए।

अपराधी ही नहीं, उनके परिवार को भी नहीं मिलेगा अमेरिका का वीजा

रूबियो ने नए नियमों का किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की ट्रंप प्रशासन ने आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत एक नए वीजा नियम की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य अरबों डॉलर की धोखाधड़ी करने वाले विदेशी आपराधिक नेटवर्कों को नष्ट करना है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई वीजा प्रतिबंध नीति का एलान करते हुए कहा कि यह प्रतिबंध न केवल अरबों डॉलर की ठगी करने वाले विदेशी अपराधियों पर लागू होगा, बल्कि उनके करीबी परिजनों को भी अमेरिका का वीजा नहीं मिलेगा।

रूबियो ने स्पष्ट किया कि नई नीति का मुख्य मकसद साइबर घोटालों और अवैध वसूली करने वाले गिरोहों पर नकेल कसना है, जिन्होंने लाखों अमेरिकी परिवारों की जीवन भर की कमाई छीनकर उन्हें बर्बाद कर दिया है।

अमेरिकी प्रशासन इन साइबर नेटवर्कों को पूरी तरह से ध्वस्त करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए अपने सभी अधिकारों का इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए प्रतिबंध, कानूनी अभियोजन, संपत्ति की जब्ती, प्रत्यर्पण की मांग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का उपयोग कर रहा है।

गौरतलब है कि अमेरिकी प्रशासन की यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप के मार्च में जारी किए गए उस आदेश पर आधारित है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी के मामलों में अभियोजन को प्राथमिकता दी गई थी और एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने का निर्देश दिया गया था। उस आदेश में साफ-साफ निर्देश दिया गया था कि ऐसे मामलों को बर्दाश्त करने वाले देशों को प्रतिबंधों, वीजा प्रतिबंधों, विदेशी सहायता पर रोक और दोषी अधिकारियों के निष्कासन का सामना करना पड़ सकता है। एपॉक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने बयान में चीनी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों को 'पिग बुचरिंग'जैसे ऑनलाइन साइबर घोटालों का मुख्य सूत्रधार बताया है। इन घोटालों में फर्जी ऑनलाइन रिश्तों और दोस्ती के जाल में फंसाकर लोगों को धोखाधड़ी वाले निवेश शामिल है।

फास्ट न्यूज़

अमेरिका-ईरान जंग में ठहराव से तेल सस्ता

तेहरान। सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका और ईरान के बीच सप्ताहांत में कोई नया हमला न होना है। इससे उम्मीद बनी है कि कूटनीति से मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो सकता है और होर्मुज जलड-मरूमध्य से तेल की शिपिंग फिर से शुरू हो सकती है।

शुरुआत में तेल लगभग 5 फीसदी तक गिरा।

जानलेवा झड़पों और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पीओके में होने जा रहे चुनाव

इस्लामाबाद। लगातार हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के बीच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तथाकथित विधानसभा के लिए आज चुनाव होने जा रहे हैं। पीओके में 45 सीटों के लिए चुनाव 10 अगस्त तक तीन चरणों में होंगे। पहले चरण में सोमवार को मीरपुर डिवीजन के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी। इसके बाद 2 अगस्त को मुजफ्फराबाद डिवीजन के नौ निर्वाचन क्षेत्रों और सभी 12 रिफ्यूजी निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी और 10 अगस्त को पूंछ डिवीजन के बाकी 11 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी।

पहले बात की, फिर मार दी गोली

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

चांदी 2,050 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

सोना 751 महंगा होकर 1.45 लाख का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,050 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 751 रुपए चढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को

सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

बच्चे समेत 5 घायल, चश्मदीद बोला- खाने का सामान लेकर लौटे और गोली चली

अमेरिका में फूड फेस्टिवल में फायरिंग, 2 लोगों की मौत

सिएटल, एजेंसी

अमेरिका के सिएटल में एक फूड फेस्टिवल के दौरान फायरिंग में 2 लोगों की मौत हो गई। बच्चे समेत 5 लोग घायल हो गए। घटना सिएटल के स्पेस नीडल के पास आयोजित 'बाइट ऑफ सिएटल' फेस्टिवल के आखिरी घंटों में हुई। सिएटल फायर डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ग्रेस नुनेज ने इसकी जानकारी दी। फायरिंग रविवार शाम करीब 6 बजे हुई। पुलिस ने इलाके की जांच शुरू कर दी और लोगों से शहर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित घटनास्थल के पास नहीं जाने की अपील की। अभी यह साफ नहीं है कि इस मामले में किसी को हिरासत में लिया गया है या नहीं। फेस्टिवल में पहुंचे एक शख्स ने बताया कि हम एक फूड

स्टॉल से खाने का सामान लेकर लौट रहे थे, उसी दौरान गोलीबारी हुई। सिएटल फायर डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ग्रेस नुनेज के मुताबिक, फायरिंग में मारे गए दोनों लोगों की मौत मौके पर ही हो गई। 5 घायलों को हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर ले जाया गया। घायलों में 56 साल की महिला की हालत गंभीर है। 2 साल का बच्चा, 23 साल का युवक और 39 साल की महिला की हालत स्थिर बताई गई है। वहीं 40 साल की एक महिला को मामूली चोटें आई हैं। फायरिंग के बाद बड़ी संख्या में पुलिस और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने सिएटल सेंटर इवेंट्स कैंपस के आसपास का इलाका खाली कराना शुरू किया। अधिकारियों ने अभी यह नहीं बताया कि फेस्टिवल के किस हिस्से में फायरिंग हुई। इस आयोजन में खुले और इनडोर, दोनों तरह के क्षेत्र शामिल थे।

सिएटल में रविवार को 'बाइट ऑफ सिएटल' फूड फेस्टिवल के दौरान हुई फायरिंग के बाद घटनास्थल पर तैनात फोर्स।

लोग खाने का सामान लेकर आ रहे थे, तभी गोलियां चलीं

फेस्टिवल में मौजूद फेथ एडिया हंटर ने बताया कि मैं और मेरा दोस्त एक स्टॉल से खाना लेकर लौटे ही थे, तभी फायरिंग शुरू हो गई। हमें एहसास हुआ कि शूटर हमारे पास ही था।

हंटर ने ये भी बताया, 'जब यह शुरू हुआ, तब हम उसके ठीक पास थे। हम भागे और भीड़ के साथ बिल्डिंग के अंदर चले गए। मैं और कुछ अन्य लोग पास के सिएटल चिल्ड्रन्स म्यूजियम में जाकर छिप गए।'

फायरिंग के बाद मची अफरा-तफरी में कई फूड वेंडर अपने स्टॉल छोड़कर बाहर की ओर भाग गए। घटना के कुछ घंटे बाद भी कुछ वेंडर पुलिस की घेराबंदी के बाहर खड़े रहे और इंतजार करते रहे कि उन्हें अपने टेंट, खाना और खाना बनाने का सामान लेने के लिए वापस जाने की अनुमति कब मिलेगी।

मतदान : नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई, 2 महीने से हिंसक प्रदर्शन हो रहे

पीओके में आज विधानसभा चुनाव का पहला चरण

मुजफ्फराबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग होगी। पिछले कई महीनों से यहां विरोध प्रदर्शन, हिंसा, गिरफ्तारियां और सरकारी कार्रवाई जारी है।

यह विवाद उन 12 विधानसभा सीटों को लेकर है, जो भारतीय के जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान जाकर बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं।

इमरान खान की पार्टी PTI और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही JAAC ने चुनाव के बहिष्कार का फैसला किया है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व PM नवाज शरीफ ने PoK का प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई है।

इन प्रदर्शनों का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) कर रही है। सरकार ने 5 जून को प्रस्तावित प्रदर्शन से कुछ

AI जनरेटेड

> 45 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव मूल रूप से 27 जुलाई को होने थे। लेकिन लगातार तनाव के कारण चुनाव तीन चरणों में कराने का फैसला लिया गया।

दिन पहले ही इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया।

इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ नेता भूमिगत हो गए, जबकि कुछ अब भी पुंछ डिवीजन के मुख्यालय रावलाकोट में धरना स्थलों से आंदोलन चला रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगह लगातार धरने और सड़क जाम हुए हैं। स्थिति इतनी खराब हो गई कि बैंक लगातार दो सप्ताह तक बंद रहे। अधिकांश क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अब भी बंद हैं।

नवाज शरीफ ने पीओके को दूसरा घर बताया

चुनावी माहौल के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) के प्रमुख नवाज शरीफ ने मुजफ्फराबाद की एक चुनावी रैली में बड़ा वादा किया।

उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उन्हें PoK का प्रधानमंत्री बनाने का आग्रह करेंगे, ताकि वे खुद क्षेत्र के विकास की निगरानी कर सकें। नवाज ने कहा कि PoK उनके लिए पंजाब जितना ही प्रिय है। उन्होंने दावा किया कि उनके पूर्वज कश्मीर से थे और इसलिए यह इलाका उनके लिए दूसरे घर जैसा है। इस चुनाव में PML-N का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) से माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस्लामाबाद में दोनों दल केंद्र सरकार में सहयोगी हैं, लेकिन PoK में वे एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

'भारत के छात्रों पर हम सभी को गर्व'

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने नीट पेपर लीक मामले और शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के खिलाफ भारत में हुए 36 दिवसीय छात्र आंदोलन का समर्थन किया है। और कहा कि भारतीय छात्रों पर हम सभी को गर्व है।

ग्रेटा थुनबर्ग ने लंदन में 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (SFI) द्वारा चल रहे प्रदर्शन को संबोधित करते हुए थनबर्ग ने कहा कि भारतीय छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने जनशक्ति का सच्चा अर्थ दिखाया है और पूरे विश्व को प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों ने एक उद्देश्य के लिए एकजुट होकर खड़े होकर दुनिया भर के युवाओं को गौरवान्वित किया है, जिससे यह उम्मीद जगी है कि जब लोग एक साथ आते हैं और विरोध करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है।

भारतीय छात्रों का न्याय, लोकतंत्र और मुक्ति के लिए संघर्ष हमारा भी संघर्ष है। इसलिए अब हम सभी को एकजुट होकर भारत के साथ एकजुटता से उठ खड़ा होना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96